RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | hpshukla50@gmail.com | शनिवार, 12 अक्टूबर 2024 | वर्ष: 01, अंक: 229, पृष्ठ: 8, मूल्य: 2 रु. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पीएम मोदी ने यूरेशिया और पश्चिम एशिया में शांति लाने का किया आह्वान, कहा- यह युग युद्ध का नही

एजेंसी

वियनतियाने । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आसियान सम्मेलन में शामिल होने के लिए लाओस दौरे पर हैं। आज उनके दौरे का दूसरा दिन है। वियनतियाने में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के साथ ही ईस्ट एशिया सम्मेलन का भी आयोजन हो रहा है। भारतीय पीएम ने ईस्ट एशिया सम्मेलन में तूफान टाइफून यागी में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। साथ ही दुनिया के अलग-अलग भागों में चल रहे संघर्षों का ग्लोबल साउथ के देशों पर पड़ रहे सबसे ज्यादा नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए प्रधानमंत्री ने यूरेशिया और पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता लाने का आह्वान किया।

'समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं आ सकता'

पीएम मोदी ने 19वें ईस्ट एशिया सम्मेलन को संबोधित कर कहा कि

समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं आ सकता। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मुक्त, खुला, समावेशी, समृद्ध और नियम आधारित इंडो-पैसिफिक पूरे क्षेत्र के विकास के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि दक्षिण चीन सागर में शांति, सुरक्षा और स्थिरता पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के हित में है। उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि समुद्री गतिविधियां संयुक्त राष्ट्र की समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के तहत होनी चाहिए। नेविगेशन और वायु क्षेत्र की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना आवश्यक है। एक मजबूत और प्रभावी आचार संहिता बनाई जानी चाहिए। और इससे क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर कोई रोक नहीं लगनी चाहिए। हमारा दृष्टिकोण विकासवाद का होना चाहिए न कि विस्तारवाद का।' यह देखते हुए कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चल रहे संघर्षों का ग्लोबल साउथ के देशों पर सबसे नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, प्रधानमंत्री ने कहा कि हर कोई (चाहे वह यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया) चाहता है कि शांति और स्थिरता जल्द से जल्द बहाल होनी चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, 'मैं बुद्ध की धरती से आता हूं और मैंने बार-बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं आ सकता। संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करना जरूरी है। मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देनी होगी।'

आतंकवाद को लेकर कही ये बात

उन्होंने कहा कि विश्वबंधु के दायित्व को निभाते हुए भारत इस दिशा में अपना हर संभव योगदान देता रहेगा। उनकी यह बयान यूरेशिया में यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष और पश्चिम एशिया में इस्राइल-हमास युद्ध के बीच आया है। उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसका सामना करने के लिए मानवता में विश्वास रखने वाली ताकतों को मिलकर काम करना होगा।

नोएल टाटा बने टाटा ट्रस्ट के नए चेयरमैन

एजेंसी

मुंबई । रतन टाटा के निधन के बाद उनका उत्तराधिकारी चुनने के लिए टाटा ट्रस्ट की बोर्ड बैठक में नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का नया चेयरमैन बनाया गया है। मुंबई में चल रही टाटा ट्रस्ट के बोर्ड की बैठक के जरिए ही नया चेयरमैन चुना गया ।

नोएल टाटा मौजूदा समय में टाटा ग्रुप की कंपनियों टाटा स्टील और टाइटन में वाइस-चेयरमैन के पद पर तैनात हैं। उन्होंने 2000 की शुरुआत में टाटा ग्रुप में काम करना शुरू किया था। इस साल की शुरुआत में नोएल टाटा के तीन बच्चों - लिआ, माया और नेविल - को सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट से जुड़े कई ट्रस्टों में ट्रस्टी के रूप में नियुक्त किया गया था। लिआ वर्तमान में द इंडियन होटल्स में उपाध्यक्ष हैं जबकि माया टाटा कैपिटल से जुड़ी हैं। नेविल ट्रेंट बड़े कारोबारी समूह को मार्गदर्शन देने का काम करता है। टाटा संस का

और स्टार बाजार की लीडरशीप टीम में शामिल हैं। टाटा ट्रस्ट एक प्रमुख निकाय है जो सभी 14 टाटा ट्रस्टों के कार्यों का प्रबंधन करता है। टाटा ट्रस्ट के पास टाटा संस की 65.3 प्रतिशत हिस्सेदारी है और यह भारत के सबसे स्वामित्व बड़े पैमाने पर टाटा ट्रस्ट के तहत आने वाले दो प्रमुख ट्रस्टों - सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के पास है, जिनके पास कुल मिलाकर टाटा संस में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी हैं।

ट्रंप ने बिजली का बिल आधा करने का किया ऐलान : केजरीवाल बोले - फ्री की रेवड़ी अमेरिका पहुंच गई

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने चुनावी अभियान के तहत एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि वह सत्ता में वापस आने पर अमेरिका के नागरिकों का बिजली का बिल आधा कर देंगे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, अमेरिका में भी डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि वह भी बिजली का बिल आधा कर देंगे। फ्री की रेवड़ी अब अमेरिका पहुंच गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, फ्री की रेवड़ी अब अमेरिका भी पहुंच गई है। उन्होंने मजाकिया लहजे में ट्रंप के इस वादे को अपनी नीतियों की तरह बताया, जिसमें उन्होंने दिल्ली में बिजली के बिलों में बड़ी राहत दी थी।

हरियाणा में नायब सिंह सैनी दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे, 15 अक्टूबर को शपथ ग्रहण समारोह

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में नायब सिंह सैनी एक बार फिर सीएम पद की शपथ लेंगे। 15 अक्टूबर को आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में नायब सिंह सैनी दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। नायब सिंह सैनी के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। शपथ ग्रहण समारोह पंचकूला में आयोजित किया जाएगा, जहां लगभग 50 हजार लोगों के उपस्थित रहने की संभावना है। समारोह में भाजपा शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। इसके अलावा कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ-साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहेंगे। जानकारी के अनुसार, हरियाणा सरकार की नई कैबिनेट में अनिल विज, कृष्ण लाल

मिड्ढा, श्रुति चौधरी, अरविंद कुमार शर्मा, विपुल गोयल , निखिल मदान को जगह मिल सकती है। गौरतलब है कि, नायब सिंह सैनी ने दिल्ली में बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी समेत पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी। इसके बाद गुरुवार को उन्होंने राजधानी में केंद्रीय मंत्री और हरियाणा भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से भी मुलाकात की थी। विधानसभा चुनाव के दौरान ही भाजपा की ओर से संकेत दिए गए थे कि अगली सरकार के भी मुखिया नायब सिंह सैनी बनेंगे। भाजपा ने मार्च 2024 में नायब सिंह सैनी को हरियाणा भाजपा अध्यक्ष पद से मुख्यमंत्री बनाया था। उस समय भाजपा मनोहर लाल के साढ़े नौ साल के कार्यकाल के बाद सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रही थी। बता दें कि हरियाणा में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 48 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं, कांग्रेस 37 सीटों पर ही सिमटकर रह गई। इस चुनाव में जजपा और आम आदमी पार्टी का सफाया हो गया और इनेलो सिर्फ दो सीट जीतने में सफल रही। प्रदेश की तीन सीटें अन्य के खाते में गई हैं।

महाराष्ट्र सरकार फिजूलखर्ची में लिप्तः कांग्रेस

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार पर आरोप लगाया है कि वर्तमान सरकार फिजूलखर्ची में लिप्त है। कांग्रेस ने जल्दबाजी में करोड़ों रुपये की निविदाओं को मंजूरी देकर 'जितना संभव हो उतना लूटने की जल्दी' करने का आरोप लगाया है।

कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोंढे ने गुरुवार रात एक मीडिया बयान में आरोप लगाया कि इससे उनके सरकार से बाहर निकलने से पहले लाभ का हिस्सा सुनिश्चित हो गया। उन्होंने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने डिजिटल प्लेटफॉर्म विज्ञापनों के लिए 90 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है, जिसमें आदेश दिया गया है कि यह राशि पांच दिनों के भीतर खर्च की जानी चाहिए। इसके अलावा, मंत्रिमंडल ने सरकारी फैसलों को एसएमएस के माध्यम से जनता तक पहुंचाने के लिए 23 करोड़ रुपये के एक और टेंडर को मंजूरी दे दी है।सार्वजनिक धन के व्यर्थ खर्च की कड़ी आलोचना करते हुए, श्री लोंढे ने कहा कि राज्य पर आठ लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है, लेकिन सरकार कमीशन कमाने के लिए लापरवाही से निविदाएं जारी कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सरकार मंत्रिमंडल के फैसलों के बारे में जनता को एसएमएस से अपडेट भेजने के लिए 23 करोड़ रुपये खर्च कर रही है और इन एसएमएस सेवाओं के लिए टेंडर मांगा जा रहा है। उन्होंने कहा कि लड़की बहन योजना के तहत विज्ञापनों के लिए पहले ही 450 करोड़ रुपये की मंजूरी दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, राज्य के खजाने का उपयोग योजना के लिए कार्यक्रम आयोजित करने के लिए किया जा रहा है ।

महिला की हत्या कर उसी के पल्लू से पेड़ में बांध दी लाश पुलिस बताने लगी आत्महत्या

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के अषाढा पुलिस चौकी अंतर्गत बिनौरा गांव में शुक्रवार की शाम एक विधवा महिला की पहनी धोती साड़ी के पल्लू को पेड़ से बांध दिया गया है। गजब तो तब हो गया जिस साड़ी को महिला पहने हुए है उसी साड़ी से उसके गले में बिना फंदा बनाए पेड़ में बांध दिया गया है। अंधेरगर्दी की हद तो तब हो गई गले में फंदा नहीं पड़ा आत्महत्या हो गई। मृतक महिला के दोनों पैर जमीन पर पूरी तरह से रखे हैं और महिला की मौत हो चुकी है। आत्महत्या के कोई साक्ष्य मौके पर नहीं है लेकिन थाना पुलिस महिला की मौत को आत्महत्या बता रही है। हत्या की घटनाओं में आत्महत्या का बयान बाजी करने वाले थाना पुलिस आखिर पुलिस अफसरो को क्या बताना चाहती है, यह बड़ी जांच का विषय है। पश्चिम शरीरा कोतवाली क्षेत्र के बिनौरा गांव के बाहर आम की बाग में शुक्रवार शाम एक विधवा महिला की पहनी साड़ी धोती के पल्लू को पेड़ से बांध कर आत्महत्या की कहानियां बताना शुरू कर दी गयी है।

जानकारी के मुताबिक पश्चिम शरीरा कोतवाली के लकौड़ा गांव निवासी ओमप्रकाश का बीमारी के चलते लगभग डेढ़ साल पहले मौत हो गई है, जिसकी पत्नी विमला उम्र 37 वर्ष मेहनत मजदूरी करके अपने दो बेटी व एक बेटा का भरण पोषण करती थी। गांव से दो किलोमीटर दूर बिनौरा गांव में आम की बाग में महिला की पहनी धोती साड़ी का पल्लू पेड़ से बांध दिया गया है। गले मे फंदा नही है गांव के लोग जब खेतो की तरफ गए तो देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले में महिला की आत्महत्या की बयान बाजी करने लगी है और हत्या के मामलों में आत्महत्या की बयानबाजी करने के पीछे थाना पुलिस का क्या स्वार्थ है। आखिर बड़ी घटनाओं के मामले में अफसरो को थाना पुलिस क्यों गुमराह कर रही है यह बड़ी जांच का विषय है।

मंडलायुक्त व आईजी ने मां शीतलाधाम शक्तिपीठ मंदिर परिसर और कस्बा कड़ाधाम का पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। शुक्रवार को मंडलायुक्त प्रयागराज विजय विश्वास पंत, और पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज परिक्षेत्र प्रेम गौतम द्वारा थाना कड़ाधाम क्षेत्र के अंतर्गत मां शीतलाधाम शक्तिपीठ मंदिर, मेला क्षेत्र, और कड़ाधाम बाजार में पैदल गश्त करते हुए सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों/व्यापारियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया। मंदिर परिसर में आए श्रद्धालुओं/दर्शनार्थियों से भी बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम ली।

मंडलायुक्त और पुलिस महानिरीक्षक ने मां शीतलाधाम शक्तिपीठ मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था का जायजा लिया और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी बृजेश कुमार श्रीवास्तव, जिलाधिकारी कौशाम्बी मधुशूदन हुल्गी, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी सिराथू अवधेश कुमार विश्वकर्मा, और अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

भतीजे ने चाचा को रास्ते में रोक कर जान से मारने की दी धमकी

सबसे तेज प्रयागराज

मंझनपुर। शुक्रवार को सुशील कुमार मिश्रा पुत्र स्व0 जगदीश नारायण मिश्रा निवासी ओसा थाना मंझनपुर जनपद कौशांबी ने पुलिस से शिकायत देते हुए बताया कि मेरी भूमिधरी आरजी स्थित मौज -ओसा महेवा घाट मार्ग पर जमीन थी जिसमें से चार विस्वा अपने भतीजे ने विक्रय कराई थी जो 30 लाख रुपए में बेचा हूं और बैनामा हो गया था। कुछ दिनों बाद सुशील कुमार मिश्रा की क्रेता से मुलाकात हुई तो क्रेता ने लिखित में दिखाया कि मैं उक्त जमीन को 48 लाख रुपए में क्रय किया हूं। सुशील कुमार मिश्रा ने कई बार अपने भतीजे से रुपए की मांग की तो भतीजे ने कहा कि मैं रुपए आपको दे दूंगा पर आज तक नहीं दिया, आज गांव के बाहर मेरा भतीजे अपने तीन-चार साथियों के सात सफेद रंग की चार पहिया गाड़ी से आए और मेरी गाड़ी से ओवरटेक करके गाड़ी को आगे लगाकर मुझे गाड़ी से खींच कर जबरन उतार लिया और कहा कि अगर अब रुपए दोबारा मांगोगे तो झूठे मुकदमे में फंसा कर जेल भिजवा दूंगा, तथा भद्दी भद्दी गालियां देते हुए जान से मार डालने की दी धमकी ।

दो पक्षों में चले लाठी-डंडे का वीडियो वायरल

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! धामपुर थाना क्षेत्र के बगदाद अंसार इलाके में कोर्ट में गवाही न देने पर एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में आफताब नाम का शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का वीडियो सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।धामपुर थाना क्षेत्र का है। यहां आफताब पुत्र अब्दुल हमीद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आज सुबह पड़ोसी अकील, सगीर और वसीम ने उस पर अचानक लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमलावर इसलिए नाराज थे क्योंकि आफताब ने कोर्ट में उनकी गवाही नहीं दी थी। आफताब की पत्नी और बेटे ने जब उसे बचाने की कोशिश की, तो उनके साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस मारपीट का लाइव वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। लोग अब इस घटना पर पुलिस की सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को थाना मलवां पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त अंकित उर्फ छोटू पुत्र सवानी जमादार निवासी ग्राम बेलवारा थाना मलवां जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय रवाना किया गया ।

आरओ के सामने फाड़ा प्रत्याशी का पर्चा

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! स्योहारा गन्ना समिति कमेटी के संचालक पद के चुनाव के लिए 11 संचालक पद के प्रत्याशियों ने पर्चे दाखिल किये गये। नामांकन पत्र दाखिल होने के दिन सत्ता पक्ष के प्रत्याशी ने दबंगाई और एक सत्ता पक्ष के नेता का संरक्षण प्राप्त होने के कारण विपक्षी पक्ष के प्रत्याशी का पर्चा आरओ के सामने फाड़ दिया जबकि आरओ दर्शक बनकर सारा घटना क्रम देखते रहे। गुरुवार को सहकारी गन्ना समिति में संचालक पद के लिए नामांकन पत्र खरीदे व दाखिल किये जा रहे थे। सत्ता पक्ष के उम्मीदवार का समिति पर सुबह से ही पूर्ण कब्जा रहा। सत्ता पक्ष के चेयरमैन पद के घोषित प्रत्याशी सुशील कुमार उर्फ. बंटी ने विपक्षी संचालक पद प्रत्याशी भारत विश्नोई के नामांकन पत्र दाखिल करते समय आरओ विकास अग्रवाल और एआरओ दिनेश कुमार के सामने नामांकन पत्र छीनते हुए फाड़ दिये जिसके बाद भारत सिंह सहित कार्यकताओं ने नामांकन पत्र दाखिल ना करने देने और पर्चा फाड़े जाने पर समिति के गेट पर खूब हंगामा किया। घटना की जानकारी होते ही थाना प्रभारी अवनीत मान मौके पर पहुंचे और दोबारा पर्चा दाखिल करने के लिए दस्तावेज लेकर आने को कहा। जिसके बाद भारत विश्नोई ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सुबह से ही गन्ना समिति प्रांगण में गहमा गहमी रही। विपक्षी प्रत्याशी

भारत विश्नोई ने सत्ता पक्ष के प्रत्याशी और उनके नेताओं में निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष दबंगई के बल पर चुनाव जीतना चाहते हैं और लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। भारत के संविधान में सभी लोग चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र हैं परंतु कुछ नेता अपनी दबंगई और सत्ता की हनक में लोकतंत्र की खुलेआम हत्या कर रहे हैं। भारत विश्नोई निर्वाचन अधिकारी सहित गन्ना समिति सचिव को पत्र लिख कर पर्चा फाड़ने की घटना की वीडियो फुटेज की मांग की। लेकिन गाना सचिव ने वीडियो देने से इनकार कर दिया जिस पर भारत सिंह ने आरोप लगाया कि जिस समय पर्चा लेकर फाड़ जा रहा था आर ओ सामने उसे समय की वीडियो डिलीट कर दी गई है वही चुनाव में ड्यूटी पर पहुंचे 11 ग्राम पंचायत सचिवों को चुनाव कक्ष से बाहर कर दिया है जब वोह दोबारा ड्यूटी करने पहुंचे सचिवों को बताया गया कि उनकी ड्यूटी डेलीगेट के चुनाव तक थी जबकि सचिवों ने बताया कि जिला सहकारी निर्वाचन अधिकारी के यहां से ड्यूटी के आदेश दिये गये थे। जब इस संबंध में आरओ विकास अग्रवाल व एआरओ दिनेश कुमार बात की गई उन्होंने किसी भी जानकारी देने से इंकार करते हुए कहा कि वह कोई भी जानकारी देने के लिए अधिकृत नहीं है।

> 11 ग्राम पंचायत सचिवों को चुनाव कक्ष से बाहर कर दिया गया और जब इस संबंध में जानकारी की गई आरओ ने बताया गया कि उनकी ड्यूटी डेलीगेट के चुनाव तक थी यह जानकारी सचिवों ने दी है।
> **रामकुमार**
> **खंड विकास अधिकारी स्योहारा**

रामलीला मैदान में हुआ मेघनाथ वध ,दशहरा पर शस्त्र पूजन की परम्परा, विधिवत करें पूजन

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! स्योहारा सनातन धर्म का प्रमुख एवं प्रसिद्ध त्यौहार है दशहरा जो बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में जाना जाता है। शारदीय नवरात्रि और दुर्गा पूजा के अंतिम दिन को दशहरा के रूप में मनाने का रिवाज है। इस पर्व को अत्यंत उत्साह, आस्था एवं धूमधाम से देशभर में मनाया जाता है। दशहरा को विजयदशमी के नाम से भी जाना जाता है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार, दशहरा को प्रतिवर्ष अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को अपराह्न काल में मनाया जाता है। इस पर्व को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना गया है। यह प्रमुखता से सितंबर या अक्टूबर के महीने में आता है जिसकी रौनक उत्तरी और पश्चिमी भारत में देखने को मिलती है। दशहरा की पूजा सदैव अभिजीत, विजयी या अपराह्न काल में की जाती है। अपने घर के ईशान कोण में शुभ स्थान पर दशहरा पूजन करें। पूजा स्थल को गंगा जल से पवित्र करके चंदन का लेप करें और आठ कमल की पंखुडियों से अष्टदल चक्र निर्मित करें। इसके पश्चात संकल्प मंत्र का जप करें तथा देवी अपराजिता से परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करें। अब अष्टदल चक्र के मध्य में अपराजिताय नमः मंत्र द्वारा देवी की प्रतिमा स्थापित करके आह्वान करें। इसके बाद मां जया को दाईं एवं विजया को बाईं तरफ स्थापित करें और उनके मंत्र "क्रियाशक्त्यै नमः" व "उमायै नमः" से देवी का आह्वान करें। अब तीनों देवियों की शोडषोपचार पूजा विधिपूर्वक करें। षोडशसचार पूजन के उपरांत भगवान श्रीराम और हनुमान जी का भी पूजन करें। सबसे अंत में माता की आरती

करें और भोग का प्रसाद सब में वितरित करें।

दशहरा पर संपन्न होने वाली पूजा शस्त्र पूजाः

दशहरा के दिन दुर्गा पूजा, श्रीराम पूजा के साथ और शस्त्र पूजा करने की परंपरा है। प्राचीनकाल में विजयदशमी पर शस्त्रों की पूजा की जाती थी। राजाओं के शासन में ऐसा होता था। अब रियासतें नहीं है, लेकिन शस्त्र पूजन को करने की परंपरा अभी भी जारी है। शामी पूजाः इस दिन शामी पूजा करने का भी विधान है जिसके अंतर्गत मुख्य रूप से शामी वृक्ष की पूजा की जाती है। इस पूजा को मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व भारत में किया जाता है। यह पूजा परंपरागत रूप से योद्धाओं या क्षत्रिय द्वारा की जाती थी।अपराजिता पूजाः दशहरा पर अपराजिता पूजा भी करने की परंपरा हैऔर इस दिन देवी अपराजिता से प्रार्थना की जाती हैं। ऐसा मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण को युद्ध में परास्त करने के लिए पहले विजय की देवी, देवी अपराजिता का आशीर्वाद प्राप्त किया था। यह पूजा अपराहन मुहूर्त के समय की जाती है, साथ ही आप चौघड़िये पर अपराहन मुहूर्त भी देख सकते हैं। विजयदशमी या दशहरा का त्यौहार हिन्दू धर्म में विशेष मान्यता रखता है जो असत्य पर सत्य की जीत का पर्व है। इस त्यौहार से जुड़ीं ऐसी अनेक धार्मिक मान्यताएं है जिसके बारे में हम आपको अवगत कराएंगे। दशहरा से जुड़ीं ऐसी पौराणिक मान्यता है कि इस दिन मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम ने लंकापति रावण का वध किया था। वहीं, देवी दुर्गा ने असुर महिषासुर का संहार किया था इसलिए इसे कई स्थानों पर विजयदशमी के रूप में मनाया जाता है। दशहरा तिथि पर कई राज्यों में रावण की पूजा करने का भी विधान है। इस दिन देश में कई जगह मेले आयोजित किये जाते है। दशहरे से 14 दिन पहले तक पूरे भारत में रामलीला का मंचन किया जाता है, जिसमें भगवान राम, श्री लक्ष्मण एवं सीता जी के जीवन की लीला दशार्यी जाती है। विभिन्न पात्रों के द्वारा मंच पर प्रदर्शित की जाती है। विजयदशमी तिथि पर भगवान राम द्वारा रावण का वध होता है, जिसके बाद रामलीला समाप्त हो जाती है।

दशहरा कथा

अयोध्या नरेश राजा दशरथ के पुत्र भगवान श्रीराम अपनी अर्धांगिनी माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ 14 वर्ष के वनवास पर गए थे। वन में दुष्ट रावण ने माता सीता का अपहरण कर लिया और उन्हें लंका ले गया। अपनी पत्नी सीता को दुष्ट रावण से मुक्त कराने के लिए दस दिनों के भयंकर युद्ध के बाद भगवान राम ने रावण का वध किया था। उस समय से ही प्रतिवर्ष दस सिरों वाले रावण के पुतले को दशहरा के दिन जलाया जाता है जो मनुष्य को अपने भीतर से क्रोध, लालच, भ्रम, नशा, ईर्ष्या, स्वार्थ, अन्याय, अमानवीयता एवं अहंकार को नष्ट करने का संदेश देता है। महाभारत में वर्णित पौराणिक कथा के अनुसार, जब पांडव दुर्योधन से जुए में अपना सब कुछ हार गए थे। उस समय एक शर्त के अनुसार पांडवों को 12 वर्षों तक निर्वासित रहना पड़ा था, ओर एक साल के लिए उन्हें अज्ञातवास पर भी रहना पड़ा था। अज्ञातवास के समय उन्हें सबसे छिपकर रहना था और यदि कोई उन्हें पहचान लेता तो उन्हें दोबारा 12 वर्षों का निर्वासन झेलना पड़ता। इसी वजह से अर्जुन ने उस एक वर्ष के लिए अपनी गांडीव धनुष को शमी नामक पेड़ पर छुपा दिया था और राजा विराट के महल में एक ब्रिहन्नला का छद्म रूप धारण करके कार्य करने लग गए थे। एक बार जब विराट नरेश के पुत्र ने अर्जुन से अपनी गायों की रक्षा के लिए सहायता मांगी तब अर्जुन ने शमी वृक्ष से अपने धनुष को वापिस निकालकर दुश्मनों को पराजित किया था। रामलीला मैदान स्योहारा में मेघनाथ वध पर भारी पुलिस फोर्स थाना अध्यक्ष अवनीत मान, उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह, उप निरीक्षक वीरेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल भजन लाल सिंह आदि मौजूद रहे

वर्तमान समय में रावण के चरित्र से सीख लें युवा, द्ववेष और दुश्मनी के बाद भी बनाये रखी मयार्दा

सबसे तेज प्रयागराज

कुशीनगर। अपने क्रिया कलाप को लेकर बदनाम रहे रावण का कारनामा सीता के अपहरण से लेकर लंका दहन तक कि जानकारी लग भग सबको है लेकिन द्वेष की भबना होने के बाद भी एक पराई स्त्री के अपहरण कर लेजाये जाने के बाद भी उसकी मयार्दा बनाये रखना ये किसी तपस्सया से कम नही है।

बताते चले कि राजा दशरथ के चार पुत्रों राम,लक्ष्मण,भरथ,सत्रुधन, में भाई भरथ को राजगद्दी मिलने एवं भगवान राम को बनवास मिलने और राम रावण युद्ध मे रावण के द्वारा सीता जी का अपहरण कर लेजाये जाने के बाद उनकी मयार्दा बनाये रखना ये किसी तपस्सया से कम नही जो आज के युवाओं के लिये एक सबक होनी चाहिये परन्तु ऐसा नही है आज के इस समाज मे न वो मयार्दा रही न वो आचरण रहा जिससे कि बहु बेटियाँ सुरक्षित रहे भले ही लोग एक दूसरे को रावण की संज्ञा देते रहें मयार्दा मयार्दा होती है जिसे बनाये रखना हमारा कर्तब्य होता है रावण एक प्रतापी राजा था और प्रतापी राजा होने एवं द्ववेष पूर्ण होने के बाद भी मयार्दा में रहकर एक पराई स्त्री को सम्मान दिया और उनके साथ सरद्धा बनाये रख्खी ये बहुत ही अलौकिक बात है। आज का समाज कहाँ है और महिलाओं के प्रति क्या कह रहा है और सोच रहा है रावण के चरित्र से सीख ले ताकि स्त्रियों के मयार्दा बनी रहे और समाज में स्त्रियां सुरक्षित रहे।

देवीगंज में हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर नगर पंचायत दारानगर कड़ाधाम के देवीगंज बाजार स्थित मां भगवती के पंडाल में शुक्रवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।भंडारे की शुरूवात कन्या पूजन के साथ हुई।चेयरमैन प्रतिनिधि अरुण केशरवानी समेत कमेटी के सदस्यों ने कन्याओं को रोली कुमकुम का तिलक लगाकर उन्हें प्रसाद ग्रहण कराया साथ ही उन्हें दक्षिणा व उपहार देकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया।देर शाम से शुरू हुआ भंडारा देर रात तक चलता रहा जिसमे आसपास के हजारों मां के भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रेमचन्द्र साहू, नीरज साहू, मोनू अग्रहरि, आशीष साहू, उमेश पटेल, बृजेश विद्यार्थी, पंकज अग्रहरि, रामचन्द्र केशरवानी, शिवम गुप्ता, डॉ पीके सिंह, प्रदीप साहू, विहान मोदनवाल, पवन मिश्रा सहित तमाम मां के भक्त उपस्थित रहे।

10 किलो अवैध गांजा बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर थाना मसौली पुलिस क्षेत्र में गांजा की तस्करी करने वाले तस्करों के खिलाफ चेकिंग के दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार कर 10 किलो गांजा बरामद करते हुए जेल भेज दिया।

थाना मसौली पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ रवि सिंह पुत्र स्व0 कृष्ण प्रताप सिंह निवासी सत्यप्रेमी नगर थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 10 किलो 170 ग्राम अवैध गांजा व एक मोटरसाइकिल पैशन बरामद किया गया।

अवैध तमंचा मय जिन्दा कारतूस बरामद

बाराबंकी। थाना जैदपुर पुलिस टीम द्वारा को अभियुक्त मो0 समीर पुत्र मो0 आलम निवासी मो0 शाह कटरा कस्बा व थाना जैदपुर जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से एक अदद अवैध तमंचा .315 बोर मय 01 अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया।

तमंचा के साथ युवक गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को थाना गाजीपुर पुलिस द्वारा एक नफर अभियुक्त सोनू निषाद पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी ग्राम कुआँपार मजरे लम्हेटा थाना गाजीपुर जनपद फतेहपुर को एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया।

चोरी लूट के दो आरोपी गिरफ्तार बाइक तमंचा बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी । एसपी दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर थाना फतेहपुर व सुबेहा पुलिस चोरी लूट के आरोपियों की तलाश में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बाइक तमंचा कारतूस बरामद कर जेल भेज दिया।

थाना फतेहपुर पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त शुभम कश्यप पुत्र स्व0 गिरजाशंकर कश्यप निवासी पंजरौली थाना बदोसराय जनपद बाराबंकी को छोटी माइनर नहर पुलिया, गुरसेल से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से एक अदद अवैध तमंचा व एक अदद जिंदा कारतूस .12 बोर व चोरी की 01 अदद मोटर साइकिल हीरो स्पेलण्डर बरामद किए।

थाना सुबेहा पुलिस टीम द्वारा शुक्रवार को लूट का अभियुक्त मो0 रानू पुत्र मुस्ताक अहमद निवासी किला वार्ड थाना सुबेहा जनपद बाराबंकी को बिद्दीपुरवा-सिल्हौर मार्ग से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से चोरी का एक अदद मोबाइल व 250/- रुपए बरामद किये गये।

दुष्कर्म व छेड़खानी के आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कुशीनगर। जनपद कुशीनगर में वाँछित/ वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को थाना कुबेरस्थान पुलिस द्वारा छेड़खानी में वाँछित चल रहे अभियुक्त विशाल कुमार पुत्र छेदी प्रसाद सा0 लक्ष्मीपुर थाना कुबेरस्थान जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

थाना रामकोला पुलिस टीम द्वारा पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त अमित गोंड पुत्र स्व0 कृष्ण मुरारी गोंड निवासी मोरवन थाना रामकोला जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार कर अग्रिम आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

शिक्षा से ही समाज में आएगा बदलाव, पैक्स अध्यक्ष

ओबरा रफीगंज प्रखंड में बराही पेट्रोल पंप के समीप बुधवार को फिज्म ईप्लाईबलेटी,एकेडमी शिक्षा के तहत विद्यालय का हुआ उदघाटन कार्यक्रम जिसका उदघाटन करसाव पैक्स अध्यक्ष मिहिर कुमार ने फीता काटकर किया।

इस मौके पर कार्यक्रम संचालन सरोज कुमार ने की। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता मैनेजर नीतीश कुमार ने किया,इस मौके पर पैक्स अध्यक्ष मिहिर कुमार ने कहा की,यह शिक्षण संस्थान ग्रामीण क्षेत्रों के लिए काफी उपयोगी होगी,शिक्षण संस्थान मे अंग्रेजी कंप्यूटर जॉब शिक्षा इंटरव्यू रिपलेशन निशुल्क दी जाएगी,कहा की जब लोग शिक्षित होंगे तो समाज मे निश्चित रूप से बदलाव आएगी।

माँ आदिशक्ति जगत जननी का जयकारा इस समय सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में गूँज रहा है- राजेश तिवारी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। माँ आदिशक्ति जगत जननी जगदम्बा का जयकारा इस समय सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में गूँज रहा है यह अभिव्यक्ति एशोसिएशन बोरिंग टेक्नीशियन के जिला मंत्री राजेश तिवारी ने अपने मेजा तहसील के विभिन्न ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर जगह जगह स्थापित माँ आदिशक्ति के पांडालों में जाकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए एवं इस धार्मिक कार्यक्रम को बढ़ावा देने हेतु कुछ आर्थिक सहयोग करते हुए समस्त पंचायतों के भक्तगणों से कही। संज्ञानित कराते चले कि इस समय शारदीय नवरात्रि चल रहा है और जिला मंत्री माता रानी के स्थापना दिवस से लेकर आज दिन शुक्रवार को अन्तिम नवरात्रि के नौवें दिन भी मेजा क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में माता रानी के स्थापित पंडालों में जाकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त कर इस धार्मिक कार्यक्रम को बढ़ावा देने हेतु कुछ आर्थिक सहयोग भी करते रहे। जिला मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि जो भी व्यक्ति माता रानी सच्चा भक्त है उसे संसार की कोई भी शक्ति सत्य पथ पर चलने से रोक नही सकती और माता रानी के सच्चे भक्त के ऊपर कोई भी बला नही आ सकती।माँ आदिशक्ति अपने तेजस्व से चण्ड मुण्ड,शुम्भ निशुम्भ,रक्तबीज एवं महिषासुर आदि असुरों का वध कर देवताओं का असुरों से रक्षा की।यहाँ तक कि ब्रह्मा,विष्णु एवं शिव भी मां आदिशक्ति जगत जननी जगदम्बा की स्तुति करते रहते हैं।जब जब इस जगत में असुरों द्वारा सृष्टि के संचालन में कोई भी विपत्ति उत्पन्न की जाती है।तब तब मां जगत जननी आदिशक्ति जगदम्बा विभिन्न स्वरुप धारण कर असुरों का संहार करके सृष्टि के संचालन को सुचार रुप से प्रतिस्थापित करती हैं।जिला मंत्री ने आगे यह भी कहा कि मां जगत जननी जगदम्बा की कृपा से सूर्य चाँद चमक रहे हैं,माँ आदिशक्ति की कृपा से चहुँ ओर हरियाली सहित फूल महक रहे हैं।इस नवरात्रि के पावन पर्व क्षेत्र में अत्यधिक विकसित करने हेतु जिला मंत्री के साथ आचार्य प्रकाशानन्द महराज,वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण राज सिंह, शिक्षाविद कमलेश पाण्डेय,शिक्षाविद राम प्रसाद पटेल, शिक्षाविद जोखू लाल पटेल, किसान नेता शिव शंकर सिंह मुन्ना,अजय कुमार विश्वकर्मा,शिवजी केशरी एवं हौसला प्रसाद शुक्ला सहित मेजा क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों के जगह जगह बहुतायत भक्तगण उपस्थित रहे।

मां की आराधना से दूर होते है सारे कष्ट - पंकज प्रधान

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज। देशभर में नवरात्रि का त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस क्रम में नवाबगंज थाना क्षेत्र के सराय जयराम गांव में नवरात्रि का पर्व बड़े धूमधाम एवं भक्तिभाव से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर ग्रामीणों ने पंडालों में माँ दुर्गा की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। जहाँ माता की पूजा अर्चना के साथ भक्तगण शक्ति की भक्ति में पूरी तरह लीन हो गए है। चारो ओर मातारानी के जयकारों की गूंज सुनाई दे रही है। जिससे पूरे गांव का माहौल भक्तिमय हो उठा है।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भाजपा नेता और वरिष्ठ समाजसेवी पंकज प्रधान ने अपनी टीम के साथ सतमी पर मां को विशेष प्रसाद का भोग लगाकर ग्रामीणों में वितरित कराया। पंकज प्रधान ने कहा कि मां के आशीर्वाद के बिना कोई भी काम सभंव नहीं होता है। बच्चों के सांस्कृति कार्यक्रम ने पूरे पंडाल का माहौल बदल दिया। इसके साथ ही सुबह-शाम पूजा अर्चना के दौरान दुर्गा पंडालों पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। पंडित गोविंद महराज, दिनेश शुक्ला ने विधि विधान से पूर्व प्रधान संत बहादुर पांडेय से पूजा अर्चना कराई।

गांव में चौपाल लगाकर महिलाओं को किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक, फतेहपुर के कुशल निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक, फतेहपुर के निकट पर्यवेक्षण में आयोजित ह्लमिशन शक्तिह्व पंचम चरण व ऑपरेशन जागृति के तहत नारी सशक्तिकरण की कार्यवाही के अनुक्रम में समाज में नारी सुरक्षा व सम्मान एवं नारी स्वावलंबन हेतु जनपद के समस्त थानों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रो में महिला पुलिसकर्मी (शक्ति दीदी) व पुरूष पुलिसकर्मियों द्वारा शहरी एवं ग्रामीण अंचलों में जाकर भीड़-भाड़ वाले इलाकों, कस्बों, गांवों चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं/छात्र-छात्राओं को स्वयं की सुरक्षा हेतु विभिन्न पैतरों के साथ-साथ उ0प्र0 सरकार द्वारा जारी किये गये हेल्पलाइन नम्बरो 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076झमुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइ?, 102-स्वास्थ्य सेवा,1930-साइबर क्राइम तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण से संबंधित उ0प्र0 शासन की विभिन्न योजनाओं व प्राथमिकताओ के सम्बन्ध में भी जानकारी देते हुए जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किया गया । इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों की एन्टी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख चौराहो, पार्को एवं भीड-भाड वाले स्थानो के आस-पास चेकिंग कर मनचलों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत अभियान चलाया गया ।

महानवमी जुमे की नमाज को लेकर एएसपी ने ड्यूटी पर लगे पुलिस कर्मियों को किया चेक

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । शुक्रवार को महानवमी और जुमा की नमाज के दृष्टिगत जनपद में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह द्वारा जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में भ्रमण कर संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों को चेक किया गया एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों का ई-चालान किया गया तथा विभिन्न चौराहों/तिराहों पर ड्यूटीरत पुलिस कर्मियों व डायल-112/पीआरवी को चेक कर आवश्यक दिशा -निर्देश दिए गए ।

चोरी की घटना का पुलिस ने किया खुलासा, एक गिरफ्तार सोने चांदी के आभूषण बरामद

राम सिंह यादव
सबसे तेज प्रयागराज

हंडिया। हंडिया थाना क्षेत्र के एक गांव में घर का ताला तोड़कर सोने चांदी के आभूषण चोरों ने पारकर दिया था, हंडिया कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को घटना का खुलासा करते हुए चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर सोने चांदी के आभूषण बरामद कर जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक बृजकिशोर गौतम मय थाना हण्डिया पुलिस द्वारा शुक्रवार को थाना हण्डिया अंतर्गत क्षेत्र "ग्राम धनुपुर से हण्डिया जाने वाली मार्ग पर" से अभियुक्त मोनू बनवासी पुत्र सुभाष बनवासी निवासी ग्राम सरायपीथा थाना हण्डिया जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त मोनू बनवासी द्वारा अपने सहयोगी राजा बनवासी के साथ मिलकर वादी सोहनलाल पुत्र स्व० अमृतलाल निवासी ग्राम मिदिउरा थाना हण्डिया जनपद प्रयागराज के घर से दिनांक 26.08.2024 से दिनांक 31.08.2024 के मध्य जब घर पर कोई नही था, सोने चांदी के जेवरात चोरी किये गये थे। जिसके सम्बन्ध मे थाना हंडिया पर पंजीकृत कर चोरी हुये सामान सफेद धातु का हाथ में पहनने वाली मेहंदी, 01 अदद सफेद धातु का बाल में लगाने वाला बाल चोटी, 02 जोड़ी सफेद धातु का पायल, पीली धातु की अंगूठी तथा 01 अदद पीली धातु का मंगलसूत्र की बरामदगी की गयी।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम प्र0नि0 बृजकिशोर गौतम थाना हण्डिया. उ0नि0 राजेन्द्र प्रसाद, उपनिरीक्षक रिजवान असकरी थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

हंडिया पुलिस द्वारा शान्तिभंग करने वाले 21 व्यक्तियों का किया चालान

सबसे तेज प्रयागराज

हंडिया। शुक्रवार को हंडिया कोतवाली पुलिस त्योहार को लेकर क्षेत्र में भ्रमण के दौरान मामूली विवाद को लेकर मारपीट पर आमादा 21 लोगों को गिरफ्तार कर शांति भंग में चालान करते हुए लिखा पढ़ी किया।

गिरफ्तार व्यक्ति

रफीक अंसारी पुत्र अब्दुल रशीद निवासी रहीमाबाद आसवा दाउदपुर. मो० अमजद उर्फ सोनू पुत्र अब्दुल समद निवासी वार्ड नंबर 10 कस्बा. मो० हलीम पुत्र असगर अली, राज यादव पुत्र स्व० चिन्तामणि यादव निवासी ग्राम जगुआसोधा. अनिल यादव पुत्र अशोक यादव, ननकू यादव पुत्र काशीनाथ यादव निवासी ग्राम जगुआसोधा. राकेश कुमार पुत्र तुलसीराम यादव. शनि यादव पुत्र लल्ला यादव, दिनेश यादव पुत्र बंशनरायण यादव. प्रदीप कुमार यादव पुत्र राजकुमार यादव निवासी ग्राम जगुआसोधा. अखिलेश यादव पुत्र कड़ेदीन यादव, आशीष कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह पुत्र स्व अमर बहादुर सिंह निवासी जबराडीह. अनिल कुमार मौर्या पुत्र स्व० संकठा प्रसाद. श्रवण कुमार मौर्या पुत्र स्व० संकठा प्रसाद, सुनिल कुमार मौर्या पुत्र स्व० संकठा प्रसाद निवासी कस्बा बरौत. अशोक पाण्डेय पुत्र सुरेन्द्र प्रसाद पाण्डेय. रजनीश पाण्डेय उर्फ राहुल पाण्डेय पुत्र प्रभाशंकर पाण्डेय. धर्मेन्द्र प्रसाद पाण्डेय पुत्र स्वा० राम कैलाश पाण्डेय . जितेन्द्र पाण्डेय पुत्र चन्द्रमा प्रसाद पाण्डेय. शिवम पाण्डेय पुत्र चन्द्रमा प्रसाद पाण्डेय. अजीत पाण्डेय पुत्र स्व० कृष्ण प्रसाद पाण्डेय निवासी ग्राम औरा थाना हंडिया प्रयागराज ।

गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम:

प्रभारी निरीक्षक बृज किशोर गौतम थाना हण्डिया, प्रशिक्षु विवेक कुमार.उपनिरीक्षक मिथिलेश कुमार तिवारी. उ0नि0 मणिभूषण शुक्ला. उ0नि0 सौरभ पाण्डेय. उ0नि0 आदर्श यादव थाना हंडिया कमि।। प्रयागराज।

जनपद में अभियान चला कर थाना क्षेत्र के दुर्गा पंडालों ,सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को किया गया जागरूक

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी।मिशन शक्ति अभियान (फेज-05) के अन्तर्गत शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी व महिला बीट उपनिरीक्षक/आरक्षियों द्वारा चौराहों/बस स्टैण्ड/टैक्सी स्टैण्ड/हास्पिटल/गांव व कस्बा में भ्रमण कर/चौपाल लगाकर व दुर्गा पाण्डालों में जाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया । थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा ग्राम मलाक भायल स्थित दुर्गा पाण्डाल मे, थाना मंझनपुर व महिला थाना पुलिस टीम द्वारा मंझनपुर चौराहा/जिला अस्पताल/दुर्गा पाण्डाल/दुर्गा मंदिर/कस्बा मंझनपुर/टैक्सी स्टैंड पर, थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा सकरा बाबा मंदिर अझुवा में, थाना मो0पुर पइंसा पुलिस टीम द्वारा ग्राम मो0पुर पइंसा मे दुर्गा पाण्डाल में, थाना महेवाघाट पुलिस टीम द्वारा ग्राम महेवा के रत्नावली धाम में कन्या पूजन एवं मिष्ठान वितरण, थाना कौशाम्बी पुलिस टीम द्वारा बिजिया चौराहा व बैगवा चौराहा में भ्रमणशील रहकर, थाना कड़ाधाम पुलिस टीम द्वारा अलीपुर जीता स्थित दुर्गा पाण्डाल में, थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा बूंदा मोड स्थित दुर्गा पाण्डाल तिलहापुर मोड व बूंदा मोड स्थित ब्यूटीपार्लर में, थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा झारखंडी देवी मां मंदिर/दुर्गा मन्दिर/दुर्गा पाण्डाल व कस्बा पश्चिम शरीरा में व थाना संदीपनघाट पुलिस टीम द्वारा ग्राम काजीपुर व दुर्गा पाण्डाल में जाकर/कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चियों/महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया तथा उनके प्रति होने वाले किसी भी अपराध एवं संबंधित अपराधियों के बारे में तत्काल पुलिस एवं शक्ति मित्र महिला पुलिसकर्मियों अथवा थानों में बने महिला हेल्प डेस्क पर सूचना देने के लिए जागरूक किया गया । महिलाओं एवं बच्चियों को पम्पलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जैसे- (1) 1076 मा० मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, (2) 1090 वीमन पावर हेल्पलाइन, (3) 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, (4) 102 स्वास्थ सेवा, (5)108 एंबुलेंस सेवा, (6) 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन, (7) 181 वन स्टाप सेन्टर, तथा (8) 112 पुलिस आपात कालीन सेवा आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया तथा इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन का मोबाइल पर उपयोग करने हेतु डेमो दिखाया गया एवं महिला अपराध आदि की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया गया तथा सरकार द्वारा जारी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं (1)सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना (2)मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना (3)अभ्युदय योजना (4)मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना (5)निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना (6)राष्ट्रीय पोषण मिशन योजना (7) आयुष्मान योजना आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी ।

मां के सामने बच्ची को उठा ले गया तेंदुआ, खेत में बेहोशी की हालत में छोड़ा, अब तक बिजनौर में 26 को बना चुका शिकार

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! नटहौर थाना क्षेत्र के मलकपुर गांव की है, जहां एक 8 वर्षीय बच्ची को उसकी मां के सामने ही तेंदुआ उठा ले गया। कुछ देर बाद बच्ची कुछ दूरी पर खेत में बेहोशी की हालत में मिली। आनन-फानन मैं सीएससी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मां के साथ खेत जा रही थी तानिय

जानकारी के अनुसार, मलकपुर गांव के निवासी बिलेंद्र कुमार की 8 वर्षीय बेटी तानिया अपनी मां के साथ खेत की ओर जा रही थी। जैसे ही तानिया जंगल की ओर बढ़ी, अचानक एक तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। इससे पहले की मां कुछ कर पाती, तेंदुआ तानिया को उठाकर ले भागा। बच्ची की मां का शोर सुनकर ग्रामीण इकट्ठा हुए और बच्ची की खोजबीन शुरू की। कुछ ही दूरी पर खेत में वह बेहोशी की हालत में मिली। ग्रामीण उसे स्थानीय सीएससी ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

वन विभाग पकड़ने में नाकाम

बिजनौर में खुलेआम घूम रहे तेंदुए के कारण इलाके के लोग खौफजदा हैं। यह तेंदुआ पिछले कई दिनों से क्षेत्र में आतंक का पर्याय बना हुआ है, पर इसकी धरपकड़ करने में वन विभाग नाकाम साबित हो रहा है। फिलहाल इस घटना के बाद वन विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची हैं और तेंदुए के निशान खोजने में जुट गई हैं।

पिछले महीने बाइक सवार युवक-युवती पर भी किया था हमला

ये कोई पहली घटना नहीं है। पिछले महीने 6 सितंबर को नजीबाबाद इलाके में बाइक पर सवार होकर जा रहे युवक-युवती पर भी तेंदुए ने हमला कर दिया था। तेंदुए ने युवक और युवती के पैर को बुरी तरह नोंच लिया था। ग्रामीणों को आता देख वह मौके से भाग निकला था। बता दें कि जिले में तेंदुए के हमले से अब तक 26 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा कई लोग घायल भी हो चुके हैं।

दो दिन पहले मिले शवों की शिनाख्त: मुजफरनगर का रहने वाला था दंपती, बेटी ने हत्या का केस कराया

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! नहटौर थाना क्षेत्र में दो दिन पहले गांगन नदी में मिले महिला और पुरुष के शव की पहचान हो गई है। ये शव मुजफ्फरनगर के भोपा क्षेत्र के रहने वाले पति-पत्नी के हैं, जो हाल ही में हल्दौर में किराए पर रह रहे थे। आशंका जताई जा रही है कि दंपती का अपहरण कर हत्या की गई है। मृतकों की बेटी ने हल्दौर थाने में एक व्यक्ति पर अपहरण का मामला दर्ज कराया है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि बुधवार की देर शाम गांगन नदी में एक महिला और पुरुष का शव मिला था। दोनों शव सड़-गल चुके थे और यह आशंका जताई जा रही थी कि इनमें से एक शव लगभग एक सप्ताह पुराना था। शवों की पहचान 45 वर्षीय ओमपाल और उसकी 40 वर्षीय पत्नी बेबी के रूप में हुई है। मुजफ्फरनगर से पोस्टमार्टम हाउस पहुंची उनकी बेटी पूनम ने शवों की पहचान की। पूनम ने आरोप लगाया कि उसके माता-पिता 6 अक्टूबर को हल्दौर के बैंकट हॉल के पास से राजवीर नामक युवक द्वारा कार से अपहरण किया गया था और तब से उनका कोई पता नहीं था।

एसपी ने खुलासे की कही बात

पुलिस ने पूनम की तहरीर के आधार पर अपहरण का मामला दर्ज कर राजवीर की तलाश शुरू कर दी है। जांच में यह भी सामने आया कि ओमपाल एक हिस्ट्रीशीटर था और वह अपनी पत्नी के साथ हाल ही में बिजनौर के हल्दौर में रह रहा था। एसपी सिटी संजीव वाजपेयी ने कहा कि मामले की बारीकी से जांच की जा रही है और जल्द ही इस घटना का खुलासा किया जाएगा।

एसडीएम और सीओ ने विजयदशमी और दशहरा को लेकर जोनल मजिस्ट्रेटों के साथ की गोष्ठी

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी: विजयदशमी/दशहरा व मूर्ति विसर्जन के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी सिराथू अवधेश कुमार विश्वकर्मा द्वारा उपजिलाधिकारी सिराथू के साथ तहसील सिराथू में सर्किल सिराथू क्षेत्र में ड्यूटी लगे सेक्टर/जोनल मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारी गणों के साथ मीटिंग की गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

बाबूगंज के दशहरे में मनमोहक झांकियों को देखने उमड़ी दर्शकों की भीड़

राम के बाण से जला अहंकारी रावण, धूमधाम से मनाया गया बाबूगंज का दशहरा

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। पाप पर पुण्य की विजय का पर्व दशहरा मेला बाबूगंज में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ शुक्रवार को मनाया गया।अपने अहंकार में डूबे महाप्रतापी लंकापति रावण के पुतले में मयार्दा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र जी ने अपने बाणों से मार कर धराशाई किया। रावण के पुतले में आग लगते ही वह धू धू कर जलने लगता है। आतिशबाजी व पटाखों की आवाज से पूरे वातावरण में विजय की जय घोष सुनाई देने लगती है।

भगवान श्री राम की आरती करने के पश्चात कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार मोदनवाल ने कहा कि अधर्म पर धर्म की विजय का पर्व दशहरा हमें अधर्म के मार्ग पर चलने से रोकता है। पाप और पुण्य के फर्क को समझने के लिए हमें अपने आने वाली पीढियां को रामलीला के प्रसंग को समझाना होगा। तभी रामलीला व दशहरा पर्व का महत्व मानव जीवन के लिए सार्थक होगा। दशहरा मेले में रावण सहित मेघनाथ और कुंभकरण के विशाल पुतलों का दहन किया गया। वहीं रावण दहन से पहले रामदल के रूप में राम, लक्ष्मण और सीता की शोभायात्रा भी निकाली गईं। रात भर आकर्षक झांकियों एवं रोशनी से पूरा मेला क्षेत्र जगमगाता रहा। श्रीरामलीला कमेटी के संरक्षक अशोक केसरवानी,महामंत्री भारत लाल जायसवाल उपाध्यक्ष नीरज जायसवाल सहित समस्त पदाधिकारियों के नेतृत्व में जय श्री राम के उद्घघोष के साथ रामदल निकाला गया। कलात्मक चौकियों व झांकियों के कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से मेले में आए दर्शकों को मंत्र मुक्त कर दिया। निर्देशक शिवकुमार गुप्ता व राजेंद्र पटेल ने राम जानकी की आरती कर मेले में आए सभी आगंतुकों का स्वागत किया।मेले में एकता रोशनी कमेटी,बंजरग दल रोशनी कमेटी,रामदल रोशनी,सत्यम रोशनी कमेटी, गणपति रोशनी कमेटी के साथ अन्य रोशनी कमेटियों ने अपने साउंड की आवाज व लाइट झूमरों का खूब प्रदर्शन किया। इस मौके पर श्रीरामलीला कमेटी बाबूगंज के पदाधिकारी विजय पाल, रामजी गुप्ता, राकेश रमण पांडेय,अशोक चौधरी,विजयचंद्र विश्वकर्मा,नीरज जायसवाल, सुरेश केसरवानी, डा राकेश केसरवानी,सुरेश जायसवाल,दिनेश कुमार दूबे, मनीष केसरवानी, वीरेंद्र जायसवाल, गौरव केसरवानी, अजय कुमार गुप्ता, सुरेश चंद्र केसरवानी, अशोक जायसवाल सहित कमेटी के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

क्या डेंगू से भी ज्यादा खतरनाक होता है टाइफाइड? किस वजह से होता है यह इंफेक्शन, डॉक्टर से जान लें

डेंगू एक वायरल इंफेक्शन होता है, जबकि टाइफाइड बैक्टीरियल इंफेक्शन है. दोनों ही परेशानियां ज्यादा बढ़ जाएं, तो जानलेवा हो सकती हैं. हालांकि दोनों की वजह और ट्रीटमेंट अलग होता है.

बदलते मौसम में डेंगू और टाइफाइड के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. बरसात के बाद मच्छरों से फैलने वाली बीमारियां बढ़ जाती हैं, जबकि खान-पान का ध्यान रखने से भी कई तरह के इंफेक्शन हो सकते हैं. कई लोगों को लगता है कि डेंगू और टाइफाइड एक ही तरह की बीमारियां हैं और दोनों में बुखार आने लगता है. हालांकि डेंगू और टाइफाइड दोनों अलग तरह के इंफेक्शन होते हैं, जिनका इलाज भी अलग दवाओं से किया जाता है. आज डॉक्टर से जानेंगे कि डेंगू और टाइफाइड में क्या अंतर है. साथ ही यह भी जानेंगे कि कौन सा इंफेक्शन ज्यादा खतरनाक है.नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के प्रिवेंटिव हेल्थ एंड वेलनेस डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. सोनिया रावत ने ह्द्2ह्य18 को बताया कि डेंगू एक वायरल इंफेक्शन है, जो मच्छर के काटने से फैलता है. डेंगू में लोगों को तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द और त्वचा पर रैशेज जैसे लक्षण नजर आते हैं. डेंगू फीवर में लोगों का प्लेटलेट काउंट तेजी से गिरने लगता है. डेंगू बुखार का इलाज लक्षणों के आधार पर किया जाता है और यह एक खतरनाक इंफेक्शन होता है. अगर सही समय पर डेंगू का इलाज न कराया जाए, तो इससे मौत भी हो सकती है. ब्लड टेस्ट के जरिए डेंगू को डिटेक्ट किया जाता है.डॉक्टर ने बताया कि टाइफाइड एक बैक्टीरियल इंफेक्शन है, जो साल्मोनेला टाइफी बैक्टीरिया से कंटामिनेटेड खाने-पीने की वजह से लोगों में फैलता है. टाइफाइड होने पर लोगों को तेज बुखार, पेट में दर्द, उल्टी, दस्त जैसे लक्षण नजर आते हैं. टाइफाइड को भी ब्लड टेस्ट के जरिए डिटेक्ट किया जाता है. टाइफाइड लंबे समय तक चल सकता है और इसका ट्रीटमेंट एंटीबायोटिक दवाओं से किया जाता है. जब टाइफाइड के बैक्टीरिया दवाओं से मर जाते हैं, तब मरीज को आराम मिलने लगता है. अगर सही समय पर टाइफाइड का इलाज न कराया जाए, तो यह भी जानलेवा साबित हो सकता है. हालांकि टाइफाइड की वैक्सीन उपलब्ध है और डॉक्टर की सलाह लेकर 2-3 साल में एक बार वैक्सीन जरूर लगवानी चाहिए.

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो डेंगू और टाइफाइड दोनों ही गंभीर बीमारियां हैं. इनकी वजह और ट्रीटमेंट अलग-अलग होताहै, लेकिन सही समय पर इलाज न मिले, तो दोनों ही बीमारियों की वजह से लोगों की मौत हो सकती है. ध्यान देने वाली बात यह है कि कई बार लोगों को डेंगू और टाइफाइड एक साथ भी हो सकता है. ऐसी कंडीशन में बीमारियों को लेकर कंफ्यूजन हो जाती है. इससे बचने के लिए डॉक्टर से मिलकर जांच करानी चाहिए, ताकि सही ट्रीटमेंट किया जा सके. डेंगू में बेहद तेजी से प्लेटलेट काउंट कम होने लगता है और इंटरनल ब्लीडिंग का खतरा बढ़ जाता है. ऐसे में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए.

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस-कांग्रेस की जीत के साथ बदलाव की जमीन तैयार

जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 90 सीटों के लिए 873 उम्मीदवारों ने चुनाव मैदान में अपना भाग्य आजमाया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने हार मान ली। महत्वपूर्ण बात यह है कि एनसी-कांग्रेस गठबंधन की जीत के साथ जम्मू-कश्मीर में बहुत कुछ बदलने वाला है। एक तो यह कि भाजपा के पंख कट गये हैं। न उपराज्यपाल अब राजा की तरह होंगे और न ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सम्राट की तरह।

भारतीय जनता पार्टी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव हार गयी। नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने जीत दर्ज की। नेशनल कॉन्फ्रेंसके अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने घोषणा की कि उमर अब्दुल्ला अगले मुख्यमंत्री होंगे। घाटी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन के लिए भारी मतदान किया था। जम्मू के हिंदुओं ने भाजपा को अपना चेहरा बचाने वाला एक मौका दिया, लेकिन उस हद तक नहीं, जिसकी भाजपा को उम्मीद थी। कांग्रेस जम्मू क्षेत्र में एनसी-कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत अधिक संख्या में दर्ज कर सकती थी परन्तु इसमें उनसे चूक हो गयी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 90 सीटों के लिए 873 उम्मीदवारों ने चुनाव मैदान में अपना भाग्य आजमाया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने हार मान ली। महत्वपूर्ण बात यह है कि एनसी-कांग्रेस गठबंधन की जीत के साथ जम्मू-कश्मीर में बहुत कुछ बदलने वाला है। एक तो यह कि भाजपा के पंख कट गये हैं। न उपराज्यपाल अब राजा की तरह होंगे और न ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सम्राट की तरह।

महत्वपूर्ण बात यह है कि नेशनल कॉन्फ्रेंसके पक्ष में किस्मत नहीं थी। नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस की सीटें लोगों के जनादेश के दम पर भारी बहुमत से आगे निकल गयीं, जो ज्यादातर नेशनल कान्फ्रेंस के पक्ष में था। वास्तव में, कांग्रेस एनसी के पाले में लटकी रही। इतना ही नहीं, यहां तक कि इंजीनियर रशीद, जिन्होंने लोकसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला को बारामुल्ला निर्वाचन क्षेत्र से हराया था, भी एनसी के शानदार प्रदर्शन में कोई बदलाव नहीं कर पाये।नेशनल कॉन्फ्रेंस की तुलना में पीडीपी को करारी हार का सामना करना पड़ा। ऐसा लग रहा था कि कश्मीर के मतदाता कश्मीर क्षेत्र से स्पष्ट विजेता चाहते थे, न कि विभाजित जनादेश, जिससे किसी भी क्षेत्रीय विजेता को अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण से उत्पन्न समस्याओं को हल करने का मौका न मिले। कश्मीरी मुसलमान भारत के बाकी हिस्सों के मुसलमानों से अलग नहीं हैं। वे भी केंद्र के प्रति बहुत आभारी नहीं हैं क्योंकि आतंकवादियों द्वारा मारे जाने और बच जाने के बाद भी आज उनका जीवन कम नारकीय नहीं हो गया है। उस समय भी नहीं जब पत्थरबाजी एक दैनिक घटना थी।

स्वतंत्र उम्मीदवार, जिन पर भाजपा ने भरोसा किया था, भी हार गये। नेशनल कॉन्फ्रेंस/कांग्रेस के उम्मीदवारों ने कई निर्वाचन क्षेत्रों में पीडीपी उम्मीदवारों को हराया, लेकिन इसने अब्दुल्ला परिवार को महबूबा की ओर दोस्ताना हाथ बढ़ाने से नहीं रोका। जीत में उदारता! परिणाम लगभग ऐसे थे जैसे पीडीपी ने चुनाव ही नहीं लड़ा था। इल्तिजा मुफ्ती तो मुफ्ती परिवार के गढ़ बिजबेहरा में भी हार गयीं।यह कहा गया किये विधानसभा चुनाव 2014 के बाद से जम्मू और कश्मीर के पहले चुनाव थे। साथ ही, जम्मू और कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किये जाने के बाद भी ये पहले चुनाव थे।

खास बात यह है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद यह पहला चुनाव था। एग्जिट पोल ने त्रिशंकु सदन की भविष्यवाणी की थी, लेकिन यह पता चला कि जम्मू-कश्मीर के मतदाताओं की धारणा बिल्कुल अलग थी। सुबह 8 बजे से ही वोटों की गिनती शुरू हो गयी थी और तभी से यह स्पष्ट था।

हिंसा की कोई घटना नहीं हुई, मानो तथाकथित उग्रवादी भी यह देखने के लिए इंतजार कर रहे थे कि नतीजे किसके पक्ष में आते हैं। छह साल के अंतराल के बाद एक नयी सरकार चुनी जानी थी। 20 जून, 2018 को पीडीपी-भाजपा शासन का पतन हो गया था। इसके बाद अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर के लाखों लोग इन चुनावों का इंतजार कर रहे थे। चुनाव परिणाम से पता चला कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों से जम्मू-कश्मीर के अधिसंख्य लोग प्रभावित नहीं हुए।जम्मू-कश्मीर को उसके राज्य-दर्जा में वापस लाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की समय सीमा भी है। समय सीमा का पालन करना होगा। बहाने बर्दाश्त नहीं किये जायेंगे। जम्मू-कश्मीर दो केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के रूप में बना हुआ है। ऐसी दबी हुई खबरें हैं कि लद्दाख को जम्मू-कश्मीर में वापस लौटने में कोई आपत्ति नहीं होगी।कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन यह सुनिश्चित करेगा कि सर्वोच्च न्यायालय की समय-सीमा का पालन किया जाये। इंडिया गठबंधन, जिसमें नेशनल कॉन्फ्रेंसएक घटक है, भी इस पर विचार करेगा।नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा था कि नेशनल कॉन्फ्रेंस महबूबा मुफ्ती की पीडीपी के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है, जिसकी अब आवश्यकता नहीं है। अब्दुल्ला ने कहा कि उपराज्यपाल को पांच आरक्षित सीटों पर यादृच्छिक लोगों को नामित करने का कोई अधिकार नहीं है। एनसी-कांग्रेस गठबंधन ने इस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने की योजना बनाई है। पांच नामित सदस्यों के आने से विधानसभा की संख्या 95 हो जायेगी और बहुमत का आंकड़ा 48 हो जायेगा।

विधानसभा चुनाव तीन चरणों में हुए थे। 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को। अब सभी को राहत मिली कि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गये। वास्तव में, यह केंद्र की उपलब्धि थी। सभी मतगणना केंद्रों पर तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के साथ मतगणना की गयी। कोई नहीं कह सकता कि कश्मीर में कब विस्फोट हो जाये।जम्मू-कश्मीर चुनाव में पाकिस्तान की भी दिलचस्पी है। आतंकवाद, उग्रवाद और सीमा पार से घुसपैठ सभी इस %मित्रवत पड़ोसी% की बदौलत हैं। सवाल यह है कि जम्मू-कश्मीर में नागरिक सरकार की वापसी से पाकिस्तान के साथ आधिकारिक या अन्यथा संबंधों पर क्या असर पड़ेगा? नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस दोनों ही चाहते हैं कि भारत-पाक वार्ता फिर से शुरू हो। मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार कम से कम फिलहाल पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह के संबंध रखने के खिलाफ है। केंद्र और जम्मू-कश्मीर सरकार के बीच टकराव होना तय है। राज्य के लोग और घाटी के लोग विरोध करेंगे। अलगाववादी अपनी मांगों और विरोध के अपने तरीके के साथ प्रतिशोधात्मक तरीके से फिर उभर सकते हैंअनुच्छेद 370 एनसी-कांग्रेस गठबंधन सरकार के लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में उम्मीदों की सरकार

हिंसा और राज्य समर्थित दमन के 10 वर्षों के बाद जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस व नेशनल कांफ्रेंस की गठबन्धन वाली सरकार बनी है तो स्वाभाविकत- लोगों के मन में उसे लेकर बड़ी उम्मीदें हैं। ये आशाएं केवल उस राज्य में रहने वालों को ही नहीं वरन देश-विदेश में रहने वाले हर उस व्यक्ति की हैं जो उस राज्य की स्थिति को लेकर दुखी हैं। 5 अगस्त, 2019 को भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त कर जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा छीन लिया था। वहां आतंकवाद के सफाये के नाम पर नागरिकों पर जुल्म ढाये गये। पिछले एक दशक तक प्रदेश प्रतिनिधित्व विहीन रहा। भाजपा का एक नुमाइंदा प्रशासक बनकर राज्य को हांकता रहा। इसे लेकर जो बड़े-बड़े दावे भाजपा और केन्द्र सरकार ने किये थे, वे कुछ भी पूरे नहीं हुए। उल्टे जम्मू-कश्मीर विकास की दौड़ में पिछड़ता चला गया।

नयी सरकार से लोगों को उम्मीद है कि वह लोगों के ज़ख्मों पर मरहम लगाये और सूबे को विकसित करे। हिंसा और नफ़रत को खत्म कर यहां कश्मीरियत की वह इबारत फिर से लिखे जाने की ज़रूरत है, जिसे पिछले बरसों में पूर्णत- मिटाने की कोशिश की गयी। इस प्रांत में रहने वालों के प्रति भाजपा की घृणा जगजाहिर है। इसी नफरती भावना के चलते 370 समाप्त तो कर दी गयी लेकिन केन्द्र सरकार को उसके बाद यह नहीं पता चल सका कि अब क्या करना है। बताया गया था कि अनुच्छेद 370 ही सारी समस्याओं की जड़ है और इसके हटते ही कश्मीर में शांति और विकास की गंगा बहने लगेगी। वैसे साफ था कि केन्द्र सरकार की दिलचस्पी जम्मू-कश्मीर के लोगों में नहीं बल्कि यहां के व्यवसाय और यहां की जमीनों को हड़पने में है। आरोप लगे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यहां के प्रमुख कारोबार अपने व्यवसायी मित्रों को सौंपना चाहते हैं। सम्भवत- बाद में उन्हें और उनके दोस्तों को एहसास हुआ होगा कि इस प्रांत को सम्हालना वैसा आसान नहीं है. जैसा वे सोच रहे थे। हकीकत यह है कि धारा 370 के खत्म करने से यहां कुछ भी हासिल नहीं हुआ। नागरिकों का जो नुकसान हुआ वह अपनी जगह पर है।जम्मू-कश्मीर की जो नयी सरकार बनने जा रही है, उसे कुछ बातों का ख्याल रखना होगा। पहली तो यह कि सरकार को गिराने की हरसम्भव कोशिश होगी क्योंकि यह भाजपा की नाक का सवाल है और ध्रुवीकरण का उपकरण भी। प्रचारित यह किया गया था कि अनुच्छेद 370 हटने से यहां के नागरिक खुश हैं और खुशहाली बहाल हुई है। सत्ता पाने के लिये जम्मू में 5 सीटें बढ़ाई भी गईं। फिर, एक अशांत सीमा से लगे होने के कारण केन्द्र के माध्यम से भाजपा द्वारा प्रदेश सरकार को अस्थिर करने की भरपूर कोशिशें होंगी। जम्मू-कश्मीर के जो हालात हैं, ऐसे अवसर मिल सकते हैं। न हों तो बनाये जा सकते हैं। भाजपा का कुख्यात %ऑपरेशन लोटस% फिर से सक्रिय करने के भी प्रयास होंगे। हालांकि नयी विधानसभा में जो दलीय स्थिति है, उसके चलते फिलहाल उसकी गुंजाइश नहीं है परन्तु भाजपा इस सरकार को गिराने के रास्ते तैयार करती ही रहेगी। दूसरे, वह यह भी ख्याल रखे कि इस सरकार को पाने के लिये यहां की गैर भाजपायी सियासती पार्टियों को अनेक तरह की तकलीफें उठानी पड़ी हैं। 370 का विलय करने के बाद पूरी घाटी में असंतोष था। लोगों का दमन करने के लिये सरकार ने कई क्रूर कार्रवाइयां कीं। इनमें अंधाधुंध गिरफ्तारियां, गोलीचालन आदि से लेकर लम्बे-लम्बे कर्फ्यू तथा इंटरनेटबंदी आदि शामिल है। ऐसे ही, प्रशासक बैठाकर जनप्रतिनिधियों को अप्रासंगिक बनाया गया।गठबन्धन वाली इस सरकार को बनाने में राहुल गांधी का बड़ा योगदान रहा है। 7 सितम्बर, 2022 को कन्याकुमारी से निकली उनकी पहली भारत जोड़ो यात्रा कश्मीर के श्रीनगर स्थित लाल चौक पर खत्म हुई थी। 30 जनवरी, 2023 को इस अवसर पर बर्फबारी के बीच राहुल के दिये भाषण ने यहां के लोगों तथा भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों- खासकर नेशनल कांफ्रेंस एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी को बड़ा हौसला दिया था। स्थानीय कारणों से पीडीपी ने अलग चुनाव लड़ा था- बावजूद इसके कि वह राष्ट्रीय स्तर पर बने संयुक्त विपक्षी गठबन्धन इंडिया का हिस्सा है। दोनों पार्टियों का इतिहास देखें तो वे कभी न कभी केन्द्र हो या राज्य में भाजपा के साथ सत्ता में भागीदारी निभा चुकी हैं। वैसे तो अनुच्छेद 370 हटाने के कारण कश्मीर में भाजपा के खिलाफ माहौल है .

पूरब के ऑक्सफोर्ड में किताबों पर बुलडोजर

फुटपाथ पर रखी किताबों को हटाने के कई तरीके हो सकते थे। अतिक्रमण दूसरे तरीकों से भी हटाया जा सकता था। लेकिन बार-बार बुलडोजर को सामने करने का मतलब यही है कि लोगों के दिमाग में किसी न किसी तरह डर बिठाया जा रहा है। लोकतंत्र से उनका भरोसा डिगाने की कोशिश हो रही है। पाठक जानते हैं कि इस प्रयागराज में एक विश्वविद्यालय अभी सांसें ले रहा है।

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में चुनावी गहमागहमी के बीच बहुत सी जरूरी खबरें हाशिए पर धकेली गईं, इन्हीं में से एक खबर आई मौजूदा प्रयागराज यानी अतीत के इलाहाबाद से। खबर यह कि अब बुलडोजर का ज़ोर मकानों से बढ़ते हुए पुस्तकों पर भी असर दिखाने लगा है। बीते शनिवार नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी दस्ते ने फुटपाथ पर पुरानी किताबें बेचकर आजीविका कमाने वाले एक गरीब दुकानदार के बक्से को बुलडोजर से रौंद डाला। दुकानदार लोहे के इसी बाक्स में पुरानी किताबें रखता था, पढ़ने-लिखने के शौकीन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले और जरूरतमंद विद्यार्थी इन पुरानी किताबों को सस्ते दामों पर खरीदते थे। इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के बाहर के फुटपाथ पर कई दुकानदार पुरानी किताबों की दुकान लगाते हैं, और यह सिलसिला बरसों से चल रहा है। लेकिन अब नगर निगम को इसमें अवैध कब्जा नजर आया और उसने अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई। तमाम दुकानदारों को निर्देश दिए गए कि वो अपना सामान फुटपाथ से हटा लें, बहुतों ने हटा भी लिया, लेकिन एक गरीब दुकानदार किताबें नहीं समेट पाया, तो फिर बुलडोजर चलाकर उन किताबों के चिथड़े इस तरह उड़ाए गए, उन्हें इस तरह रौंदा गया कि समाज पढ़ाई-लिखाई से तौबा कर ले। शायद सत्ता की मंशा भी यही है। क्योंकि पढ़ी-लिखी जमात से उसे डर लगता है कि वह खुद तो सवाल करेगी ही, समाज को भी तर्क करने के गुर सिखाएगी।

इस इलाहाबाद को अपने नाम के साथ जोड़ने वाले मशहूर शायर अकबर इलाहाबादी ने कभी लिखा था- हम ऐसी कुल किताबें क़ाबिल-ए-ज़ब्ती समझते हैं

कि जिन को पढ़ के लड़के बाप को ख़ब्ती समझते हैं

लेकिन इन पंक्तियों को पढ़कर कोई ये समझने की भूल न करे कि अकबर इलाहाबादी पढ़ने-लिखने के खिलाफ थे, क्योंकि इन्हीं अकबर इलाहाबादी ने यह भी लिखा था कि-

खींचो न कमानों को न तलवार निकालो।

जब तोप मुक़ाबिल हो तो अख़बार निकालो।।

किताबों को जब्ती के काबिल समझने की बात करने वाले शायर ने नयी पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच विचारों के अंतर और असहमति को रेखांकित किया था। जब अकबर इलाहाबादी तोप का सामना करने के लिए अखबार निकालने का मशविरा देते हैं तो वे समाज को यह समझाते हैं कि सत्ता के किसी भी जुल्म का मुकाबला समाज की जागरुकता से ही किया जा सकता है। और समाज पढ़-लिख कर ही जागरुक हो सकता है। लेकिन आज के सत्ताधीश तो किताबों को जब्त करने के बाद अब उन्हें कुचलने पर आमादा हो गए हैं, यह बात डरावनी है।लायब्रेरी पर हमले, किताबों की प्रतियां जलाना, किसी किताब का विरोध कर उसे प्रतिबंधित करवाना ये सारे पैंतरे भी पहले भी असहमति से डरने वाले लोग आजमाते रहे हैं। 2004 में पुणे के प्रसिद्ध भंडारकर प्राच्यविद्या संस्था पर जनवरी 2004 में संभाजी ब्रिगेड के तक़रीबन 100 कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की थी और यहां के इतिहासकारों के साथ मार-पीट भी की थी। संभाजी ब्रिगेड को नाराजगी थी कि अमेरिकन लेखक जेम्स लेन ने छत्रपति शिवाजी महाराज के चरित्र पर लिखी किताब %शिवाजी हिन्दू किंग इन इस्लामिक इंडिया% में उनके बारे में कुछ विवादास्पद बातें लिखी हैं और भंडारकर संस्थान के इतिहासकारों ने इसमें जेम्स लेन की मदद की है। अपनी नाराजगी जतलाने का यही तरीका उन्हें समझ आया कि मार-पीट और तोड़-फोड़ करो। इस मामले में 2017 में सभी 68 आरोपियों को निर्दोष भी करार दे दिया गया। इसके बाद भी ऐसी और घटनाएं हुईं।2020 में सीएए विरोधी आंदोलन को कुचलने के फेर में दिल्ली पुलिस ने किस तरह जामिया मिलिया इस्लामिया विवि की लायब्रेरी में घुसकर पढ़ाई कर रहे छात्रों पर लाठियां चलाई थीं, उसके वीडियो दुनिया ने देखे। इसी तरह पिछले साल अप्रैल में बिहार शरीफ में भड़के दंगों में उत्पाती भीड़ ने 110 साल पुराने अजीजिया मदरसे और लायब्रेरी को आग के हवाले कर दिया था। जिसमें इतिहास, अंग्रेजी साहित्य, प्राचीन पांडुलिपियों और धर्मग्रंथों से संबंधित 4500 से अधिक पुस्तकें जल गईं। पांच दिनों तक ऐतिहासिक महत्व की पुस्तकें और दस्तावेज जलते रहे। जब प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद जून 2024 में ही नालंदा विवि के नए परिसर का उद्घाटन किया तो अतीत के गौरव

और पुनर्जागरण को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कहीं। तब वह प्रसंग भी लोगों को याद दिलाया गया कि 1193 में नालंदा विवि को बख्तियार खिलजी ने आग के हवाले किया था और हफ्तों तक यहां किताबें जलती रही थीं। लेकिन तब बिहार शरीफ की ऐतिहासिक लायब्रेरी को जलाने की बात याद नहीं आई।अतीत की घटना को तो कोई बदल नहीं सकता, 12वीं सदी में न भारत संघीय गणराज्य था, न लोकतांत्रिक शासन था। लेकिन अभी तो हम दस सदी आगे आ चुके हैं, और समाज में असहमति को कुचलने या सत्ता का आतंक स्थापित करने के लिए हजार साल पुराने तौर-तरीके ही अपनाए जाएंगे तो फिर समाज को सोचना होगा कि विकसित भारत की बात करने वाले देश को आगे ले जा रहे हैं या पीछे धकेल रहे हैं। विकास का मतलब समय के चक्र का उल्टा घूमना तो कतई नहीं होता।

फुटपाथ पर रखी किताबों को हटाने के कई तरीके हो सकते थे। अतिक्रमण दूसरे तरीकों से भी हटाया जा सकता था। लेकिन बार-बार बुलडोजर को सामने करने का मतलब यही है कि लोगों के दिमाग में किसी न किसी तरह डर बिठाया जा रहा है। लोकतंत्र से उनका भरोसा डिगाने की कोशिश हो रही है। पाठक जानते हैं कि इस प्रयागराज में एक विश्वविद्यालय अभी सांसें ले रहा है (कब तक लेगा, कहा नहीं जा सकता) , जिसे पूरब का ऑक्सफोर्ड माना जाता था। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी 23 सितंबर, 1887 को मात्र 5,240 रुपये के कर्ज से शुरु की गई थी। यह उत्तर प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी और भारत की चौथी सबसे पुरानी यूनिवर्सिटी है। पश्चिमी जगत में जो सम्मान और रुतबा ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का रहा है, कमोबेश वैसे ही इज्जत इलाहाबाद विवि को मिलती रही, क्योंकि यहां पठन-पाठन, शोध की गौरवशाली परंपरा कायम हुई।

कई बड़े राजनेता, लेखक, विद्वान, बुद्धिजीवियों का संबंध इस विवि से रहा। धर्मवीर भारती के कालजयी उपन्यास गुनाहों का देवता में इस विवि का कई तरह से जिक्र आया। 2003 में तत्कालीन वाजपेयी सरकार के मंत्रिमंडल ने इसे केंद्रीय सार्वभौमिकता का दर्जा बहाल किया था फिर मनमोहन सिंह सरकार के दौर में 2005 में भारत की संसद ने इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया था। ये बातें दो दशक पुरानी हो गई हैं, तब शैक्षणिक संस्थानों और पढ़े-लिखे लोगों, खासकर नेताओं की इज्जत हुआ करती थी। फिर देश ने पुराने भारत को न्यू इंडिया में तब्दील होते देखा, जिसमें खादी के कैलेंडर पर गांधीजी की जगह नरेन्द्र मोदी की तस्वीर लगी, जिसमें गांधी को स्वच्छता अभियान के चश्मे तक कैद करने की कोशिश हुई और जिसमें हार्वर्ड विवि से पढ़े लोगों का मजाक बनाने का दुस्साहस दिखाया गया। कहा गया कि हम हार्ड वर्क वाले हैं, हार्वर्ड वाले नहीं। मानो हार्वर्ड विवि में दाखिला टहलते-फिरते मिल जाता है। अब तक पूरब के आक्सफोर्ड का मखौल बैल बुद्धि बोल कर नहीं उड़ाया गया है, यही कमी रह गई है। लेकिन किताबों पर जिस तरह बुलडोजर चलाया गया है, वो सीधे-सीधे प्रगतिशील सोच रखने वाले लोगों को चुनौती है कि तुम्हारी किताबों को ही नहीं, तुम्हारी चेतना को भी कुचलने का दम सत्ता रखती है।

परसाई जी ने बाजारवाद के प्रसार पर तंज करते हुए लिखा था- बाज़ार बढ़ रहा है, इस सड़क पर किताबों की एक नयी दुकान खुली है और दवाओं की दो। ज्ञान और बीमारी का यही अनुपात है हमारे शहर में।आज के हालात परसाई जी देखते तो शायद लिखते कि ज्ञान की बीमारी को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए बुलडोजरी हिम्मत सरकार ने दिखाई है। एंटायर पॉलिटिकल साइंस और संन्यास वाले सत्ताधीशों का यह बेजोड़ संगम, संगमनगरी बरसों-बरस याद रखेगी। साधो, धर्म ध्वजा फहराए रखने के लिए कुंभ मेला ही काफी नहीं है, किताबों का अवरोध हटाना भी जरूरी था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दो टूक - अपराधी या तो अपराध छोड़ दें या प्रदेश

वर्तमान सरकार के कार्यकाल में कुल अपराधों में आई कमी

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निर्देश दिए कि प्रदेश में कानून व्यवस्था को चाकचौबंद बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ काम करे। उन्होंने कहा कि कानून का इकबाल बुलंद रखना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इसे सुनिश्चित करना पुलिस की जिम्मेदारी है।

उन्होंने महिलाओं एवं अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के प्रति अपराधों में कमी लाने के लिए पुलिस तंत्र की हौसला अफजाई की। वहीं साइबर अपराध और अवैध नशे के कारोबार में लिप्त अपराधियों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर गृह विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि आपकी सजगता एवं सतर्कता कानून व्यवस्था को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि अपराधियों में पुलिस का खौफ इतना होना चाहिए कि या तो वे अपराध छोड़ दें अथवा प्रदेश छोड़कर चले जाएं। राज्य में अराजकता और अशांति फैलाने का इरादा रखने वाले असामाजिक तत्वों की रोकथाम के लिए पुलिस खूफिया तंत्र और मुखबिर व्यवस्था का बेहतरीन उपयोग करते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करें। शर्मा ने कहा कि साइबर अपराध से निपटने के लिए पुलिस लगातार काम कर रही है तथा साइबर थानों का गठन भी किया गया है। उन्होंने भरतपुर में साइबर अपराध को रोकने के लिए किए जा रहे कामों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम पर पुलिस विभाग लगातार मॉनिटरिंग करे। साथ ही, पुलिस विभाग की प्रतिमाह समीक्षा की जाए।

शर्मा ने कहा कि राज्य में लगभग 90 हजार सीएलजी सदस्य तथा 31 हजार 441 ग्राम रक्षक हैं।

कम्यूनिटी पुलिसिंग के माध्यम से अपराध नियंत्रण, समाज में जागरूकता तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोगी भूमिका निभाई जा रही है। उन्होंने कहा कि नवाचारों को प्रोत्साहन दिया जाए तथा अपराध को रोकने में जो पुलिस का सहयोग कर रहे हैं, उन लोगों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाए। साथ ही, अपराधियों, असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

महिला, एससी-एसटी अपराधों में उल्लेखनीय कमी

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग की सजगता एवं सर्तकता के चलते गत वर्ष की तुलना में राज्य में अपराधों का ग्राफ तेजी से गिरा है। राज्य स्तर पर कुल अपराधों में राज्य में 7.3 प्रतिशत की कमी आई है। साथ ही, महिला अत्याचारों में भी 8.8 प्रतिशत की कमी तथा अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार के मामलों में भी 13.96 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

नारकोटिक्स विभाग जिम्मेदारी तय करते हुए करे कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी के लिए मादक पदार्थ सामाजिक एवं सेहत की दृष्टि से बेहद नुकसानदेह है। नशे की प्रवृत्ति पूरा परिवार समाप्त कर देती है।

नारकोटिक्स विभाग जिम्मेदारी तय करते हुए नशे के विरूद्ध कार्रवाई करें। हमारा लक्ष्य है कि मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति से युवाओं को बचाया जाए।

मोगा में मारुति कार में आग लगी, फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया

मोगा। नेस्ले डायरी की ओर जाने वाली लिंक रोड पर एक कार में आग लग गई और एक राहगीर ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड के अधिकारियों को दी, मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया।

फायर ब्रिगेड अधिकारी जगतार सिंह ने बताया कि हमें एक व्यक्ति ने सूचना दी कि नेस्ले के साथ जाने वाली बुकानवाला रोड पर एक कार में आग लगी हुई है, हम मौके पर पहुंचे और उन्होंने कहा कि जब हम पहुंचे तो कार में आग लगी हुई थी। इधर, कार में सवार लोग मौके से फरार थे। बताया जा रहा है कि कार में आग लगने पर वे तीनों लोग मौके से भाग निकले. हमने दो गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पा लिया है और पुलिस पहुंच गई है। जांच अधिकारी एएसआई गुरदीप सिंह ने बताया कि हमें फायर ब्रिगेड अधिकारी जगतार सिंह से सूचना मिली कि बुकनवाला रोड पर एक कार में आग लग गई है, कार में सवार लोग मौके से भाग गए हैं।

किसान गोष्ठी में किसानों को दिया गया एक दिवसीय प्रशिक्षण

मौजी लाल रावत
सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर क्षेत्र के सांवडीह स्थित एग्री जंक्शन कृषि केंद्र पर शुक्रवार को आईआईएल कंपनी के सहयोग से एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों को रवि फसल की से पहले खेत की तैयारी के लिए आवश्यक जानकारी दी गई। इस मौके पर समाज सेवी कृषि विशेषज्ञ धर्मेंद्र सिंह ने किसानों को बताया कि मिट्टी की जांच, गुणवत्ता युक्त बीज का चयन और बीज का शोधन करना रवि फसल की सफलता के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा किसानों को अपने खेत की मिट्टी की जांच करवानी चाहिए और उसके अनुसार उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए।

आईआईएल कंपनी के अधिकारी राजेश यादव ने किसानों को गेहूं की फसल में होने वाले खरपतवारों से बचाव के लिए मिलियन दवा का प्रयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पेंडामेलैथीन के साथ इस दवा का प्रयोग करके खरपतवारों को नियंत्रित किया जा सकता है।

किसानों को पशुपालन, मधुमक्खी पालन, बकरी पालन और मछली पालन के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करने के तरीके भी बताए गए। कृषि विशेषज्ञ ने कहा कि किसान खेती के साथ बागवानी और पशुपालन करके अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम में देवेंद्र कुमार मौर्य, संतलाल कुमार, शिव शंकर मौर्य, लालचंद, हरिश्चंद्र, श्री राम पटेल और नागेंद्र कुमार समेत कई किसान उपस्थित रहे।

एग्री जंक्शन कृषि केंद्र के इस प्रयास से किसानों को नवीन तकनीक और वैज्ञानिक विधियों के बारे में जानकारी मिली, जिससे वे अपनी फसल की उत्पादकता बढ़ा सकते हैं और अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं।

प्रशासनिक अधिकारी बिगड़ी यातायात व्यवस्था को नहीं ला पा रहे पटरी पर

पार्किंग के लिए हो जगह का हो चुनाव, तभी मिलेगी बेतरतीब यातायात से निजात

सबसे तेज प्रयागराज

सिलवानी। अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था तहसील मुख्यालय सहित विधानसभा मुख्यालय सिलवानी की पहचान बन चुकी है। अव्यवस्था को पटरी पर लाने तथा वाहन पार्किंग के लिए स्थान उपलब्ध कराए जाने को लेकर स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधि भी बेपरवाह बने हुए है। फलस्वरुप दिन में अनेकों बार मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति निर्मित होती है।

नगर में अव्यवस्थित यातायात के चलते नगरवासियों को प्रत्येक दिन अनेकों समस्याओं से जूझना पड़ रहा है नागरिक जान हथेली पर रख कर निकलते है। बेतरतीब यातायात को पटरी पर लाने के लिए प्रशासन के अधिकारी बेपरवाह बने हुए है। नगर के चौक चौराहे यातायात की दृष्टि से खासे संवेदनशील है यातायात को लेकर नगर में बहुत अधिक परेशानी हैं पार्किंग होना तो दूर की बात है, अभी तक तो प्रशासन द्वारा पार्किंग के लिए स्थान का चयन ही नहीं किया गया है। देखा जाए तो यातायात के मामले में नगर की स्थिति जरुरत से ज्यादा बेकार है।

चाहे चौक चौराहे पर पार्किंग की बात हो अथवा नगर के अंदर के चौराहों व तिराहों की सब कुछ अस्त व्यस्त है। चौराहों व तिराहों से वाहनों को गुजरना मुश्किल भरा होता है। जिम्मेदार भी अव्यवस्थित यातायात की समस्या को गंभीर मानते है। लेकिन समस्या के निराकरण किए जाने की बात अधिकारी या जनप्रतिनिधि कोई भी नहीं करता है।

यातायात की दृष्टि से नगर का गांधी चौक व बजरंग चौराहा अति संवेदनशील है। इन दोनों ही चौराहों पर से दिन भर में दो पहिया, चार पहिया वाहनों के साथ यात्री बसें, डंपर, ट्राला आदि भारी वाहन सैकड़ों की संख्या में गुजरते है। यह दोनों ही चौराहे यातायात को लेकर खासे संवेदनशील माने जाते है। यहां पर यातायात पूरी तरह बेतरतीव बना हुआ है। दोनों ही चौराहों पर जगह की कमी होने व चारों ओर अतिक्रमण होने से आमने सामने के वाहन, चालकों को दिखाई नहीं देते है जिस कारण दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है।

अवैध पटाखों के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कुशीनगर। पुलिस अधीक्षक कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक रितेश कुमार सिंह के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी सदर अभिषेक प्रताप अजेय के नेतृत्व में आगामी त्यौहारों को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण वातावरण में संम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जनपद कुशीनगर में अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में देर रात को थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा एक नफर अभियुक्त अनिल केसरी पुत्र सरल प्रसाद केसरी सा0 जंगल विशुनपुरा थाना कोतवाली पड़रौना जनपद कुशीनगर को थाना कोतवाली पड़रौना क्षेत्र से गिरफ्तार कर उसके द्वारा अवैध रूप से भण्डारण किये हुए कुल 07 सात बोरी, 15 कार्टून हस्त निर्मित तैयार पटाखे व 80 कार्टून फैक्ट्री मेड पटाखे व फुलझडियां भिन्न- भिन्न प्रकार के पटाखो की बरामदगी की गयी।

तीन सवारी बाइक चलाने वाले का किया चालान

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी यातायात के कुशल पर्यवेक्षण में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा में सड़क दुर्घटना को कम किए जाने के लिए यातायात प्रभारी लाल जी सविता एवम यातायात पुलिस द्वारा माल वाहक वाहन द्वारा सवारियों का परिवहन करने वाले वाहनों पर तथा दो पहिया वाहन पर

बिना हेलमेट, सवारी ई रिक्शा पर माल को ढोने वाले ई-रिक्शा पर कार्रवाई की गई तथा बिना नम्बर प्लेट लगे वाहन, दो पहिया वाहन में तीन सवारी, चार पहिया वाहन पर बिना सीट बेल्ट का प्रयोग न कर वाहन चलाने वाले वाहनों की चेकिंग की गई और नाबालिक द्वारा वाहन चलाने वालो की सघनता से चेकिंग कर कार्रवाई की गई तथा आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर प्रचार प्रसार सामग्री वितरित की गई ।

मालदीव के राष्ट्रपति लौटे स्वदेश, भारत की वित्तीय सहायता के लिए जताया आभार

माले, । मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के निमंत्रण पर अपनी पांच दिवसीय भारत यात्रा के बाद स्वदेश लौट आए हैं। नवंबर 2023 में पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी पहली यात्रा थी। मालदीव लौटने के बाद मुइज्जू ने गुरुवार को भारत के प्रति आभार व्यक्त किया।

यात्रा के दौरान, मुइज्जू ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई अन्य वरिष्ठ भारतीय सरकारी अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने मालदीव और भारत के बीच मैत्री और विकास साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की।

मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय ने गुरुवार को कहा, यात्रा का एक महत्वपूर्ण परिणाम 'व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के लिए विजन' को अपनाना था, जो विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों का मार्गदर्शन करेगा। दोनों देशों ने वर्चुअल उद्घाटन भी किया और समझौतों का आदान-प्रदान किया।

प्रधानमंत्री मोदी के साथ उच्च स्तरीय वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने मौजूदा पहलों पर चर्चा की और सहयोग के नए रास्ते तलाशे। चर्चा में सामाजिक आवास, बुनियादी ढांचा विकास, कृषि और मत्स्य पालन, व्यापार और निवेश, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य सेवा, महिला सशक्तिकरण, नवीकरणीय ऊर्जा और समुद्री एवं सुरक्षा सहयोग जैसे क्षेत्रों पर चर्चा की।

बयान में कहा गया राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारत की वित्तीय सहायता के लिए आभार व्यक्त किया, जिसमें इस वर्ष मई और सितंबर में टी-बिलों को मालदीव के लिए बिना ब्याज के एक अतिरिक्त वर्ष के लिए आगे बढ़ाना और द्विपक्षीय मुद्रा स्वैप समझौते के तहत 30 अरब रुपये से 400 मिलियन डॉलर तक का अतिरिक्त समर्थन शामिल है। उन्होंने भारत को उसके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

मालदीव के राष्ट्रपति ने प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद (मोहम्मद मुइज्जू की पत्नी) के साथ आगरा की यात्रा भी की और यात्रा के दौरान मुंबई और बेंगलुरु में व्यापारिक बैठकें कीं।

उनके कार्यालय ने कहा, नई दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में आयोजित व्यावसायिक मंचों पर मुइज्जू ने पर्यटन उपक्रमों के लिए मालदीव की महत्वपूर्ण क्षमता पर प्रकाश डाला और भविष्य के सहयोग के अवसरों को रेखांकित किया। उन्होंने आर्थिक विविधीकरण और सतत विकास के लिए राष्ट्र के दृष्टिकोण पर जोर दिया, जिसमें विशेष आर्थिक क्षेत्र, लग्जरी निजी द्वीप, पर्यावरण के अनुकूल रिसॉर्ट और एकीकृत पर्यटन परियोजनाओं जैसे प्रमुख निवेश संभावनाओं का उल्लेख किया गया।

मुइज्जू ने मुंबई में मालदीव-भारत पर्यटन नेटवर्किंग शाम में भाग लिया, जो दोनों देशों के उद्योग विशेषज्ञों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी पर्यटन निवेश अवसरों का पता लगाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता था।

अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने नई दिल्ली और बेंगलुरु में मालदीव के समुदायों से भी मुलाकात की, उनकी चिंताओं को सुना और विदेश में नागरिकों का समर्थन करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

संक्षिप्त खबरें

आपरेशन गरुण अभियान के तहत समस्त थानों द्वारा जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन कर किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाये जा रहे शारदीय नवरात्र के पर्व पर मिशन शक्ति फेज- 05 के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में 90 दिवसीय विशेष अभियान के प्रथम 10 दिवस के आपरेशन गरुण अभियान के तहत बाराबंकी पुलिस के समस्त थानों की महिला बीट अधिकारी द्वारा अपने- अपने क्षेत्रों में चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं को महिला सम्बन्धी साइबर अपराध के सम्बन्ध में जागरुक कर सम्बन्धित साइबर अपराध के पंजीकृत अभियोगों एवं प्रार्थना पत्रों का शत प्रतिशत निस्तारण किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना बड्डूपुर के ग्राम पैगम्बरपुर, थाना सतरिख में छेदा नगर आंगनबाड़ी केंद्र, थाना बदोसराय स्थित कोटवाधाम मंदिर तथा थाना दरियाबाद में ग्राम लालपुर में महिलाओं/बालिकाओं से सम्बन्धित साइबर अपराध के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा अन्य थानों द्वारा भी महिला एवं बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं व घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण, पाक्सो, बाल विवाह प्रतिषेध व महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध प्रमुख अपराधों की जानकारी दी गई। महिला हिंसा से सम्बन्धित तथा अन्य शिकायतों के निवारण हेतु 1. वूमेन पावर लाइन (1090) 2. पुलिस आपातकालीन सेवा (112) 3. सीएम हेल्पलाइन नंबर (1076) 4. चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर (1098) 5. वन स्टाप सेन्टर (181) 6. साइबर हेल्पलाइन नंबर (1930) 7. स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन नंबर (102) 8. एम्बुलेन्स सेवा (108) 9. जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने की हेल्प डेस्क, जिला संरक्षण अधिकारी, राष्ट्रीय/राज्य महिला आयोग, जनपद न्यायालय में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सम्बन्ध में एवं साइबर अपराध के बारे में जागरूक किया गया।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार बाइक तमंचा कारतूस नगदी बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के निर्देशन में एवं एएसपी व क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल पर्यवेक्षण शुक्रवार को थाना कोतवाली पुलिस द्वारा लोधीगंज अण्डरपास पुल पार कर हसवा जाने वाले मोड़ के पास चेकिंग के दौरान अभियुक्त आमीर उर्फ सोना पुत्र अब्दुल कलाम निवासी पीरनपुर थाना कोतवाली नगर जनपद फतेहपुर को चोरी की एक अदद मोटरसाइकिल व एक अदद नाजायज तमंचा देशी 315 बोर तथा एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर व 230 रुपया नगद के साथ गिरफ्तार किया गया।

प्रभारी निरीक्षक ने वृद्ध आश्रम में फल किया वितरित

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । शुक्रवार को महानवमी नवरात्रि के अवसर पर प्रभारी निरीक्षक थाना मंझनपुर राजकिशोर द्वारा ओसा चौराहा स्थित वृद्धा आश्रम जाकर वृद्धजनों से उनके स्वास्थ और कुशलता की जानकारी ली गई एवं फल वितरण किए गए।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को थाना मलवां पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त अंकित उर्फ छोटू पुत्र सवानी जमादार निवासी ग्राम बेलवारा थाना मलवां जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय रवाना किया गया ।

ऐतिहासिक कुप्पी मेला क्षेत्र का सीओ ने भ्रमण कर किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । क्षेत्राधिकारी सिराथू अवधेश कुमार विश्वकर्मा द्वारा उपजिलाधिकारी सिराथू के साथ थाना कड़ाधाम क्षेत्र अन्तर्गत शुक्रवार से लगने वाले ऐतिहासिक कुप्पी मेला क्षेत्र का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया एवं तैयारियों का जायजा लि

दुर्गा पंडाल में पहुंची

रानी मुखर्जी

ने नहीं सुनी बात, काजोल ने सबके सामने शोल्डर पर मारा हाथ! लोगों ने...

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल कई सालों से जुहू में अपना दुर्गा पूजा पंडाल लगा रही हैं। एक्ट्रेस के इस पंडाल में मां दुर्गा के दर्शन के लिए उनके परिवार के अलावा बॉलीवुड के तमाम सितारे भी पहुंचते हैं। दुर्गा पूजा के दूसरे दिन भी मां के दर्शन के लिए कई फिल्मी सितारे पहुंचे। इस दौरान की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। ऐसे में इसी दौरान का वीडियो सामने आया है, जिसे देखने के बाद लोग काजोल को जमकर ट्रोल कर रहे हैं।

काजोल ने सबके सामने मारा रानी को थप्पड़!

काजोल के दुर्गा पूजा पंडाल में मां के दर्शन के लिए उनकी बहन और एक्ट्रेस रानी मुखर्जी भी पहुंची। रानी हर साल काजोल के इस दुर्गा पूजा पंडाल में आती हैं। इसी बीच अब काजोल और रानी का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि काजोल रानी से कुछ कहती हैं, लेकिन शायद रानी का ध्यान उनकी बात पर न होकर कहीं और था। अपनी बात को अनसुना होता देख काजोल ने रानी के शोल्डर पर एक जोर से थप्पड़ मारा। इसके बाद वो अपनी बात फिर से रानी से कहती हैं। वो शायद अपनी मांथे पर लगे तिलक को दिखाती हैं। रानी उसे ठीक करने की कोशिश करती हैं।

लोगों ने काजोल की हरकत पर किया ट्रोल

काजोल और रानी मुखर्जी का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कई यूजर्स को काजोल का रानी संग ये बर्ताव पसंद नहीं आया है। इस वीडियो पर कमेंट कर यूजर्स काजोल के ट्रोल कर रहे हैं। इस पर कमेंट कर एक यूजर ने लिखा, %पैसा बोलता है और कुछ नहीं। एक ने लिखा, ये दिन पर दिन और भी ज्यादा बदतमीजी होती जा रही हैं।% ऐसे कई और कमेंट इस वीडियो पर हैं।

जब सनी देओल ने तोड़ी थी चुप्पी, बताया डर फिल्म के बाद शाहरुख खान के साथ क्यों नहीं किया काम, छलका था दर्द

सुपर स्टार शाहरुख खान और सनी देओल बॉलीवुड के दो बड़े नाम हैं. दोनों ने अंतिम बार 1993 में यश चोपड़ा की रोमांटिक फिल्म 'डर' में काम किया था. तब से दोनों ने कभी भी एकदूसरे के साथ काम नहीं किया. दोनों कभी एक साथ सार्वजनिक रूप से भी नजर नहीं आए. पिछले साल सनी देओल ने दोनों के बीच चली लंबी फाइट पर चुप्पी तोड़ी थी. गदर एक्टर ने लंबे समय से चले आ रहे विवाद पर सिर्फ इतना ही कहा था कि 'हर कोई आगे बढ़ गया है' और अब 'खुश और संतुष्ट' है.

सनी देओल और शाहरुख खान के बीच अनबन 1993 में शुरू 'डर' फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई थी. शाहरुख खान ने दीवाना फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. डर फिल्म में सनी लीडिंग रोल में जरूर थे लेकिन शाहरुख खान की भूमिका ज्यादा सशक्त थी. फिल्म में शाहरुख खान फिल्म की हीरोइन जूही चावला का पीछा करते रहते हैं. शाहरुख खान का विलेन वाला लोगों को बहुत पसंद आया और फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता मिली. फिल्म की सफलता का क्रेडिट शाहरुख खान को मिल गया. इससे सनी देओल खुश नहीं थे. यहीं से दोनों एक्टर के बीच दरार पैदा हो गई. फिर तो दोनों कलाकारों ने 16 साल तक एक-दूसरे से बात नहीं की.

1993 में डर फिल्म रिलीज होने के बाद फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में सनी देओल ने कहा था, 'मैं यश चोपड़ा के साथ आगे कभी काम नहीं करूंगा. उन्होंने मेरा भरोसा तोड़ा है. उन्होंने मेरे साथ धोखा किया है. मेरे मन में उनसे जुड़ी अच्छी यादें नहीं हैं.'

2019 में सनी देओल ने एक अन्य इंटरव्यू में कहा था, 'लोगों की मेरी फिल्में पसंद हैं. शाहरुख खान की फिल्में भी उन्हें पसंद हैं. डर फिल्म को लेकर मेरी मसला सिर्फ इतना है कि मुझे पता नहीं था विलेन को हीरो बनाया जाएगा. मैं दिल से फिल्म में काम करता हूं और लोगों पर भरोसा करता हूं. मुझे भरोसे में रहकर काम करना पसंद है. दुर्भाग्य से, फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे कई एक्टर हैं जो इस ढंग से काम नहीं करते. हो सकता है कि वो इस तरह से स्टारडम पाना चाहते हैं.'

मेकअप के लिए शूटिंग रुकवा देतीं थी सुहाना खान, वेदांग रैना ने खोली पोली, बताया खुशी कपूर की कौन सी आदत है नापसंद

वेदांग रैना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'जिगरा' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. उनके करियर की दूसरी फिल्म 11 अक्टूबर को रिलीज के लिए तैयार है. इस फिल्म में वो आलिया भट्ट संग नजर आने वाले हैं. इन दिनों वेदांग रैना 'जिगरा' के प्रमोशन में जी-जान से जुटे हुए हैं. प्रमोशन के एक इवेंट के दौरान उन्होंने अपनी पहली को-स्टार सुहाना खान और खुशी कपूर के बारे में बात करते हुए दोनों की उन आदतों का जिक्र किया जो उन्हें बिलकुल भी पसंद नहीं है.गलाटा इंडिया को दिए इंटरव्यू में वेदांग रैना से पूछा गया था कि उन्हें सुहाना खान और खुशी कपूर की कौन सी आदत अच्छी लगती हैं और उन्हें उन दोनों की कौन सी आदत ना पसंद है. एक्टर ने इस बारे में बात करते हुए शाहरुख खान की

लाडली का राज खोल दिया.

सुहाना की टीम रुकवा देती थी शूटिंग

वो कहते हैं कि सुहाना अपने आस-पास के सभी लोगों के साथ बहुत अच्छे से पेश आती हैं और उन्हें उनकी ये आदत बहुत अच्छी लगती है. एक्ट्रेस की बुरी आदत के बारे में बात करते हुए वेदांग ने कहा कि वो मेकअप के लिए बहुत समय लेती हैं. 'द आर्चीज' के सेट पर वो सारे लड़के 15 मिनट में तैयार रहते थे, लेकिन फिर उन्हें सुहाना के लिए 40 मिनट इंतजार करना पड़ता था.कभी-कभी सुहाना खान की मेकअप टीम उनके टाइम पर तैयार न होने की वजह से शूटिंग रुकवा देती थी. हालांकि, वेदांग का मानना है कि उसमें सुहाना खान की गलती नहीं थी. फिल्म में उनका किरदार ही वैसा था.

खुशी कपूर की बताई खूबियां और कमियां

रूमर्ड गर्लफ्रेंड खुशी कपूर के बारे में बात करते हुए वेदांग कहते हैं वो बहुत पोलाइट हैं और सब से बहुत प्यार से पेश आती हैं और एक्ट्रेस की यही आदत उन्हें सबसे ज्यादा पसंद है. वेदांग रैना के मुताबिक खुशी कपूर कभी-कभी अपनी काबिलियत पर शक करती हैं जो उन्हें बिलकुल पसंद नहीं है.

राधिका मदान

से छिपाया गया था कि इरफान खान नहीं बचेंगे, बताया आखिरी दिन क्या कहकर गए

इरफान खान अब हमारे बीच नहीं हैं। इस बात पर उनके फैन्स को अभी तक यकीन नहीं होता। उनके साथ अंग्रेजी मीडियम में काम कर चुकीं राधिका मदान ने एक इंटरव्यू में उनके बारे में बात की। राधिका ने बताया कि उन्हें आखिरी वक्त तक पता नहीं लगने दिया था कि वह नहीं बचेंगे। राधिका ने यह भी बताया कि फिल्म का आखिरी सीन शूट करते वक्त इरफान की हालत बिगड़ गई थी। साथ ही उनका आखिरी मैसेज भी याद किया।

नहीं बताया बिगड़ रही है हालत

राधिका मदान शुभंकर मिश्रा के पॉडकास्ट में थीं। वहां उनसे इरफान खान के बारे में सवाल किया गया। उनसे पूछा गया कि क्या शूटिंग के वक्त पता था कि वह नहीं बचेंगे? इस पर राधिका ने जवाब दिया, नहीं, शायद मेकर्स को आइडिया था। लेकिन वे लोग मुझे इस जानकारी से बचा रहे थे क्योंकि शायद उन्हें लगा होगा कि ये नई लड़की है। एक्टिंग पर असर न हो जाए। मुझे बोलते थे कि ठीक हो गया सब, रिकवर हो रहे हैं। मुझे नहीं पता था कि हालत और खराब हो रही है। हम जब सेकंड हाफ शूट कर रहे थे तो मुझे ये भी नहीं बताया गया था कि नहीं पता कि वह शूट पूरा कर पाएंगे या नहीं क्योंकि उनकी हालत बिगड़ रही थी।

आखिरी वक्त पर मांगी सेल्फी

राधिका आगे बताती हैं, लंदन में जब सेकंड हाफ का शेड्यूल था। आखिरी दिन पर मुझे अच्छी तरह याद है और अच्छी बात है कि यह हमारा आखिरी सीन था। मुझे याद है टेक देने के बाद उनके पास जरा भी एनर्जी नहीं बची। वह इमोशनली,मेंटली एग्जॉस्ट लग रहे थे। पहली बार मुझे उनकी आंखें ब्लैंक लगीं। पूरी फिल्म में मैं उनकी आंखों में देकर एक्टिंग कर रही थी। वह ब्लैंक थे, ऐसा लग रहा था कि उन्होंने सब कुछ दे दिया। राधिका बोलीं वह कार में चले गए। उनके पास जरा भी एनर्जी नहीं थी। मैंने उनसे सेल्फी मांगी। गाड़ी में बैठकर वह बोले, अरे आपको हमेशा मेरे साथ याद किया जाएगा। यह उनके आखिरी शब्द थे।% यह बताते-बताते राधिका रो पड़ीं।

मध्य प्रदेश के माधवेन्द्र और केरल की दिवी बने राष्ट्रीय अंडर 11 शतरंज विजेता

एजेंसी

हैदराबाद। भारत की 37वीं राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप का समापन आज यहाँ जीएमसी इंडोर स्टेडियम में सम्पन्न हुआ जिसमें मध्य प्रदेश के माधवेन्द्र प्रताप शर्मा ने बालक वर्ग और केरल की दिवी बीजेश ने बालिका वर्ग का राष्ट्रीय खिताब अपने नाम कर लिया। बालक वर्ग में दूसरे वरीय खिलाड़ी माधवेन्द्र ने कुल खेले गए 11 राउंड में 10 अंक बनाते हुए राष्ट्रीय स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया, इस दौरान उन्होंने पहले लगातार 9 मुकाबले जीते और उसके बाद अंतिम दो मुकाबले ड्रॉ खेलते हुए अपना दूसरा राष्ट्रीय खिताब अपने नाम कर लिया, माधवेन्द्र ने इससे पहले 2022 में राष्ट्रीय अंडर 9 का खिताब भी अपने नाम किया था और अगले ही वर्ष 2023 में एशियन अंडर 10 स्पर्धा का खिताब भी अपने नाम किया था। इसी वर्ष सम्पन्न हुई नेशनल अंडर 19 स्पर्धा में उन्होंने चौथा स्थान हासिल कर सभी को बेहद प्रभावित किया था। बालक वर्ग में 9.5 अंक बनाकर महाराष्ट्र के आदविक अग्रवाल ने दूसरा और तमिलनाडु के आरव ए ने तीसरा स्थान हासिल किया। बालिका वर्ग में चौथी वरीय केरल की दिवी बीजेश ने 9.5 अंक बनाकर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर राष्ट्रीय अंडर 11 आयु वर्ग में बालिका का खिताब अपने नाम किया जबकि 9.5 ही अंक बनाने वाली प्राप्ति बोरदोलोई टाईब्रेक के आधार पर दूसरे स्थान पर रही जबकि कर्नाटका की आदया गोवदा 9 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहीं।

मुलतान टेस्ट के दौरान बीमार हुआ पाक स्पिनर अबरार अहमद, अस्पताल में भर्ती

मुल्तान। पाकिस्तान के लेगस्पिनर अबरार अहमद का बीमार होने के बाद अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के तीसरे दिन 31 ओवर फेंकने वाले अबरार ने चौथे दिन की सुबह शरीर में दर्द और तेज बुखार की शिकायत की थी। वह पूरे चौथे दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक बयान में कहा गया है कि उनके कई परीक्षण हुए हैं और नतीजे आने के बाद आगे की अपडेट जारी की जाएगी। अबरार को तीसरे दिन में अंग्रेज बल्लेबाजों द्वारा की गई पिटाई का शिकार होना पड़ा। उन्हें कोई विकेट नहीं मिला और उन्होंने 5.00 की इकॉनमी से 174 रन दिए। अबरार पाकिस्तान के आक्रमण में एकमात्र अग्रणी गेंदबाज थे जो पहली पारी में विकेट नहीं ले सके। उनका प्रदर्शन 2 साल पहले इंग्लैंड के खिलाफ उनके प्रदर्शन से बिल्कुल विपरीत है, जहां उन्होंने 11 विकेट झटके थे। बता दें कि पाकिस्तान सुपर लीग में पेशावर जाल्मी के लिए पेशेवर पदार्पण करने के बाद से अबरार चोटों से परेशान रहे हैं। उन्होंने 18 साल की उम्र में ज़ालमी के लिए अपनी पहली प्रस्तुति दी। इसके बाद अब्राट लगातार चोट के कारण कुछ साल किनारे बिताने के लिए बाहर चले गए। पाकिस्तान के ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले उन्हें नस में चोट लग गई थी और वह तीन टेस्ट मैचों से चूक गए थे।

'पृथ्वी शॉ एक डार्क हॉर्स है': बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए पूर्व भारतीय चयनकर्ता की बोल्ड पिक

नई दिल्ली। भारत के पास टेस्ट मैचों में ओपनिंग कॉम्बिनेशन है लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में टीम में रिजर्व ओपनर होने की संभावना है। यह अगले महीने से शुरू होने वाला एक लंबा दौरा है और पुरुष सीनियर चयन समिति स्क्वाड को अंतिम रूप देते समय सभी आधारों को कवर करना चाहेगी। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर रिजर्व ओपनर तैयार रखना महत्वपूर्ण है। रोहित शर्मा के व्यक्तिगत कारणों से एक टेस्ट से बाहर होने की खबरों के साथ अजीत अगरकर एंड कंपनी इस भूमिका के लिए संभावित उम्मीदवारों पर कड़ी नजर रखेगी। अभिमन्यु ईश्वरन, रुतुराज गायकवाड़ और साई सुदर्शन कुछ विकल्प हैं, लेकिन भारत के पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे ने सूची में एक बहुत ही दिलचस्प नाम जोड़ा है। परांजपे का मानना है कि अपनी आक्रामक शैली और तेजी से रन बनाने के लिए मशहूर पृथ्वी शॉ शीर्ष क्रम में एक अलग गतिशीलता जोड़ते हैं और उन्हें लगता है कि वह डॉर्क हॉर्स हैं। उन्होंने कहा, 'शुभमन गिल शायद तीसरे सलामी बल्लेबाज के लिए एक अच्छा विकल्प हैं क्योंकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं और पारी की शुरुआत भी कर सकते हैं। हालांकि मैं स्थिति के आधार पर तीसरे सलामी बल्लेबाज की भूमिका के लिए केएल राहुल पर भी विचार करूंगा। हर कोई रन बना रहा है। ईश्वरन भी अच्छा कर रहे हैं। एक ऐसा डॉर्क हॉर्स भी है जिसके बारे में कोई बात नहीं कर रहा है और वह पृथ्वी शॉ है। यह घरेलू सीजन शॉ के लिए महत्वपूर्ण होगा।'

वीनू मांकड़ ट्रॉफी: राजस्थान ने वनडे में ठोके 499 रन, दो बल्लेबाजों के दोहरे शतक

नई दिल्ली। नई दिल्ली के सेंट स्टीफंस क्रिकेट मैदान पर वीनू मांकड़ वन-डे ट्रॉफी में बड़ा रिकॉर्ड बना है। राजस्थान की टीम ने अंतिम लीग मैच में अरुणाचल के खिलाफ तीन विकेट खोकर 499 रन बना दिए। इस दौरान राजस्थान के दो बल्लेबाज कार्तिक शर्मा और मोहम्मद अनस दोहरा शतक लगाने में कामयाब रहा। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरुणाचल की टीम 43.3 ओवर में 161 रन पर ढेर हो गई। इस तरह राजस्थान ने 338 रन की शानदार जीत दर्ज की। राजस्थान ने पिछले सीजन में मेघालय के खिलाफ महाराष्ट्र द्वारा बनाए गए 466 रन के स्कोर को पीछे छोड़ दिया। राजस्थान के कप्तान कार्तिक शर्मा ने आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व किया और नाबाद 225 रन बनाए। उन्होंने विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद अनस के साथ तीसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड 484 रनों की साझेदारी भी की।

ग्लोबल शतरंज लीग: मैग्नस कार्लसन ने विश्वनाथन आनंद को हराया

एजेंसी

लंदन। मैग्नस कार्लसन ने ग्लोबल शतरंज लीग में विश्वनाथन आनंद को शिकस्त दी। हालांकि चेन्नई के यह प्रतिभाशाली खिलाड़ी अब पहले जैसे सक्रिय नहीं हैं, लेकिन नॉर्वे के कार्लसन शतरंज में सबसे बड़े सितारे बने हुए हैं। दोनों सर्वकालिक महान खिलाड़ी, जिन्होंने कुल मिलाकर 10 विश्व चैंपियनशिप जीती हैं, फ्रेंड्स हाउस में ग्लोबल शतरंज लीग में दूसरी बार आमने-सामने आए। अल्पाइन एसजी पाइपर्स का प्रतिनिधित्व कर रहे कार्लसन ने इस बार जीत हासिल की। गंगेज ग्रैंडमास्टर्स के खिलाफ 13-5 की जीत कार्लसन और उनके साथियों के लिए महत्वपूर्ण थी, क्योंकि उन्होंने अपने अंकों की संख्या 18 मैच पॉइंट तक पहुंचाई और फाइनल के एक कदम और करीब पहुंच गए।आइकॉन बोर्ड पर यहां अपने पहले मुकाबले में, उन्होंने ड्रॉ खेला था, लेकिन इस बार कार्लसन ने सिसिलियन डिफेंस के सफेद पक्ष से खेलते हुए जीत हासिल की। ??उन्होंने रूक-एंड-बिशप एंडिंग में थोड़ी बढ़त को जीत में बदल दिया।परहम मघसूदलू, आर. वैशाली और नर्गयुल सलीमोवा के खिलाफ रिचर्ड रैपॉर्ट, होउ यिफान और कैटरीना लैग्नो की जीत ने पाइपर्स के लिए एक शानदार राह बना दी। टीम की जीत के बाद कार्लसन ने अपने साथियों की तारीफ करते हुए कहा, अब हमें त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स (शुक्रवार को) के खिलाफ एक कठिन मैच जीतना है। दिन के पहले मैच में अमेरिकन गैम्बिट्स ने अपग्रेड मुंबा मास्टर्स को 11-6 से हराया। दोनों ही टीमें भले ही फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में नहीं थीं, लेकिन उन्होंने कुछ दिलचस्प मुकाबले खेले।हिकारू नाकामुरा ने मैक्सिम वचियर-लाग्रेव के खिलाफ अपना आइकॉन बोर्ड गेम जीतकर बढ़त बनाई। विदित गुजराती पर जान-क्रिज़्टोफ़ डूडा की जीत गैम्बिट्स के लिए मैच जीतने के लिए पर्याप्त साबित हुई।बाद में दिन में, पीबीजी अलास्का नाइट्स ने कॉन्टिनेंटल किंग्स पर 12-8 की जीत की बदौलत एक राउंड शेष रहते फाइनल में प्रवेश किया।

आईओसी अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों के प्रेजेंटेशन जनवरी 2025 में

एजेंसी

जिनेव। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने घोषणा की है कि आईओसी प्रेसीडेंसी के लिए उम्मीदवारों के प्रेजेंटेशन 30 जनवरी, 2025 को स्विट्जरलैंड के लॉज़ेन में होंगे।सात उम्मीदवारों द्वारा सुबह के प्रेजेंटेशन के बाद, आईओसी दोपहर में एक सत्र की मेजबानी करेगा, जिसमें 2028 शीतकालीन युवा ओलंपिक खेलों के लिए मेजबान शहर का फैसला किया जाएगा, जिसमें इस साल की शुरुआत में आईओसी के साथ लक्षित वार्ता के बाद इटली की डोलोमिटी वाल्टेलिना एकमात्र दावेदार है।सेबेस्टियन कोए, जुआन एंटोनियो समरंच जूनियर, प्रिंस फैसल अल हुसैन, किर्स्टी कोवेंट्री, जोहान एलियाश, डेविड लैपर्टिएंट और मोरिनारी वतनबे सभी ने राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है, चुनाव 18 से 21 मार्च, 2025 तक ग्रीस में आईओसी सत्र में होने वाले हैं।

भारत महिला ब्लाइंड फुटबॉल विश्व चैंपियनशिप की करेगा मेजबानी

नयी दिल्ली। भारतीय ब्लाइंड फुटबॉल महासंघ (आईबीएफएफ) ने कहा कि केरल में कोच्चि के कक्कनाड में यूनाइटेड स्पोर्ट्स सेंटर में अगले वर्ष दो से 12 अक्टूबर 2025 में होने वाली महिला ब्लाइंड फुटबॉल विश्व चैंपिनशिप की मेजबानी भारत करेगा। आज यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आईबीएफएफ ने यह घोषण की। इस अवसर पर राष्ट्रीय टीम के

मार्गदर्शक नरेश सिंह नयाल ने कहा कि अगले वर्ष होने वाले इस टूर्नामेंट के साथ-साथ आईबीएसए पुरुष राष्ट्र कप और आईबीएसए पुरुष एशियाई-ओशिनिया चैम्पियनशिप डिवीजन 2 की भी भारत मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा कि विश्व चैंपियनशिप में जापान, भारत, जर्मनी, इंग्लैंड, अर्जेंटीना, स्वीडन, मोरक्को और ऑस्ट्रिया टीम हिस्सा लेंगी। भारतीय दृष्टिहीन फुटबॉल टीम के निदेशक और कोच सुनील जे. मैथ्यू ने कहा, यदि सरकार और कॉर्पोरेट जगत समर्थन करते हैं तो भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। हमारा मुख्य लक्ष्य लॉस एंजिल्स 2028 में होने वाले पैरालिंपिक खेलों में जगह बनाना है।इस दौरान भारतीय महिला ब्लाइंड फुटबॉल टीम की कप्तान निरमाबेन ने फुटबॉल खेल को लेकर अपने अनुभव साझा किये।

ग्लेन मैक्सवेल को रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी, विक्टोरिया की टीम में हुए शामिल

एजेंसी

विक्टोरिया। ग्लेन मैक्सवेल को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की दूसरी एकादश प्रतियोगिता के तहत सोमवार से जंक्शन ओवल में शुरु हो रहे क्वींसलैंड के खिलाफ चार दिवसीय मैच के लिए विक्टोरिया की 12 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। मैक्सवेल को 12 महीनों में अपने पहले चार दिवसीय मैच के लिए चुना गया है, क्योंकि वह अगले साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका के टेस्ट दौरे पर जाने की तैयारी कर रहे हैं। मैक्सवेल के विक्टोरिया के अगले शेफील्ड शील्ड मैच में खेलने की संभावना कम है, जो 20 अक्टूबर रविवार को शुरू होगा। स्टीवन स्मिथ, नाथन लियोन और मिशेल स्टार्क सहित ऑस्ट्रेलिया के कुछ टेस्ट खिलाड़ी उस मैच के लिए तैयार हैं, जबकि स्कॉट बोलैंड के भी उस मैच में अपनी शील्ड वापसी करने की संभावना है।

सीए की दूसरी एकादश प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार, मैच में 12 खिलाड़ी खेल सकते हैं, जिसमें 11 बल्लेबाजी और 11 गेंदबाजी करेंगे, जिसका अर्थ है कि चार दिनों के भीतर खिलाड़ियों के लिए आराम और रोटेशन संभव है। मैक्सवेल के कार्यभार की सावधानीपूर्वक निगरानी की जाती है, क्योंकि दो साल पहले उन्हें पैर में चोट लगी थी। मैच के पहले दिन वह 36 वर्ष के हो गए और पिछले पांच वर्षों में उन्होंने केवल दो प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं।मैक्सवेल 25 अक्टूबर को न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ एक दिवसीय घरेलू मैच खेलने के लिए तैयार हैं, जिसमें पैट कमिंस और जोश हेज़लवुड शामिल हो सकते हैं, लेकिन विक्टोरिया के लिए तीसरे या चौथे शील्ड राउंड के लिए उनके उपलब्ध होने की संभावना नहीं है, जो ऑस्ट्रेलिया की पाकिस्तान के खिलाफ वनडे और टी20आई श्रृंखला के साथ मेल खा रही है।

वह बीबीएल शुरू होने से पहले विक्टोरिया के पांचवें और छठे शील्ड गेम के लिए उपलब्ध होंगे और उनमें से कम से कम एक में खेलने के लिए तैयार हैं। विक्टोरिया 6 दिसंबर को एमसीजी में क्वींसलैंड की मेजबानी करने से पहले 24 नवंबर को गाबा में लाइट्स के नीचे गुलाबी गेंद के मैच में क्वींसलैंड से भिड़ेगी। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता उन्हें 30 नवंबर से कैनबरा में भारत के खिलाफ़ दो दिवसीय गुलाबी गेंद वाले प्रधानमंत्री एकादश मैच में भी मौका दे सकते हैं।

मैक्सवेल उपमहाद्वीप में अपने टेस्ट अनुभव के कारण ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका दौरे के लिए दावेदार हैं। मैक्सवेल 2022 में श्रीलंका दौरे का हिस्सा थे और गॉल में पहला टेस्ट खेलने वाले थे, स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उनकी क्षमता को स्पिनिंग परिस्थितियों में एक परिसंपत्ति के रूप में देखा जाता है, खासकर अगर टेस्ट कम स्कोरिंग और तेज गति से चलने वाले हों।

इंग्लैंड के गेंदबाजों ने पाकिस्तान को हार की कगार पर धकेला

एजेंसी

मुल्तान। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी कर प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान की दूसरी पारी में गुरुवार को खेल समाप्ति पर 152 रन पर छह विकेट झटककर उसे हार की कगार पर धकेल दिया। इंग्लैंड ने आज हैरी ब्रूक (317) और जो रूट (262) रिकार्ड बेहतरीन पारियों की बदौलत पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन आज सात विकेट पर 823 रन पारी घोषित कर दी। इसी के साथ इंग्लैंड ने पहली पारी के आधार पर 267 रनों की बढ़त मिल गई थी। पाकिस्तान की दूसरी पारी में शुरुआत काफी खराब रहीं। पहली ही गेंद पर वोक्स ने सलामी बल्लेबाज अब्दुल्लाह शफीक को बोल्ड कर दिया। शफीक ने पहली पारी में (102) शतक बनाया था। अभी स्कोर बोर्ड 29 जुड़े थे कि एटकिंसन ने कप्तान शान मसूद को क्रॉली के हाथों कैच आउट करा पाकिस्तान को दूसरा झटका दे दिया। मसूद ने 11 रन बनाए। इसके बाद 41 रन के स्कोर पर पाकिस्तान के दो झटके लगे। पहले बाबर आजम को एटकिंसन ने स्मिथ के हाथों के कैच आउट कराया वही अगले ओवर में कार्स ने सलामी बल्लेबाज सैम अयूब को डकेट के हाथों कैच करा पाकिस्तान का चौथा विकेट गिरा दिया। सैम ने 29 रन बनाए। कार्स ने मोहम्मद रिजवान (10) रनों के निजी स्कोर पर बोल्ड कर इंग्लैंड को पांचवी सफलता दिलाई। बाद में लीच ने सऊद शकील को स्मिथ के हाथों कैच आउट करा कर पाकिस्तान को संभावित हार की ओर धकेल दिया। दिन का खेल समाप्त होने पर पाकिस्तान ने छह विकेट पर 152 रन बना लिये है और वह पहली पारी के आधार पर अभी 115 रन पीछे है। खेल समाप्ति के समय आगा सलमान (41) एवं आमेर जमाल (27) रन पर खेल रहे थे। इंग्लैंड की ओर से गस एटकिंसन , ब्राइडन कार्स ने दो-दो तथा क्रिस वोक्स एवं जैक लीच ने एक-एक विकेट लिया।

इंग्लैंड ने आज सुबह कल के तीन विकेट पर 492 के स्कोर से आगे शुरु किया। इंग्लैंड चौथे दिन के पहले सेशन में तीन विकेट खोकर 607 रन बनाये और इस दौरान जो रूट ने अपना दोहरा शतक पूरा किया। रूट ने इस बीच अब से करीब 62 साल पुराने कीर्तिमान को ध्वस्त किया। इससे पहले वर्ष 1962 में कराची में खेले गये मैच में टेड डेक्सटर ने पाकिस्तान के खिलाफ 205 रन ठोके थे।जो रूट अब इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज तो पहले ही बन गए थे। उन्होंने पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने इस मैच में 262 रनों की पारी खेलते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 20 हजार रन भी पूरे कर लिए हैं। रूट के टेस्ट करियर का यह छठा दोहरा शतक है और वह इंग्लैंड की ओर से टेस्ट में दूसरे सबसे ज्यादा दोहरे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इसके साथ ही दोनों खिलाड़ियों ने चौथे विकेट के लिये 454 रनों की साझेदारी की है।137वें ओवर में आगा सलमान ने जो रूट को पगबाधा आउट किया। रूट ने 375 गेंदों में 17 चौके लगाते हुये 262 रन बनाये। जेमी स्मिथ (31), गस ऐटकिंग्स (दो) रन बनाकर आउट हुये। क्रिकेट इतिहास में यह दूसरी बार है जब इंग्लैंड के दो बल्लेबाजों ने एक ही पारी में दोहरे शतक लगाने का कारनामा किया है। इंग्लैंड की ओर से टेस्ट की एक ही पारी में दो दोहरा शतक बनाने का कारनामा 1985 में भारत के खिलाफ चेन्नई में ग्रीम फाउलर और माइक गैटिंग ने किया था।

ग्रीस फुटबॉलर बाल्डॉक स्विमिंग पूल में मृत पाए गए

एजेंसी

ग्लाइफाडा (ग्रीस)। इंग्लैंड में जन्मे ग्रीस के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी जॉर्ज बाल्डॉक दक्षिणी एथेंस के ग्लिफ़ाडा में अपने घर के स्विमिंग पूल में मृत पाए गए है।मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पुलिस ने घटनास्थल पर 31 वर्षीय बाल्डॉक को होश में लाने का प्रयास किया लेकिन उसे होश में नहीं लाया जा सका और चिकित्सा आपातकालीन इकाइयों ने खिलाड़ी की मौत की पुष्टि की। पुलिस ने कहा कि मौत का कारण अज्ञात है। बाल्डॉक सात साल तक ब्लेड्स में रहने के बाद गर्मियों में ग्रीस के पैनाथिनाइकोस क्लब में शामिल हुए थे।

टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने किया संन्यास का ऐलान, बताया- डेविस कप फाइनल होगा आखिरी मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने संन्यास का ऐलान कर दिया है। 38 साल के नडाल ने एक इमोशनल वीडियो जारी करते इस बात की जानकारी दी। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल ने सभी को शुक्रिया कहा।

उन्होंने कहा कि यह निश्चित रूप से एक कठिन निर्णय है, जिसे लेने में मुझे कुछ समय लगा है लेकिन इस जीवन में, हर चीज की शुरुआत और अंत होता है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि उनका आखिरी मैच डेविस कप फाइनल होगा। सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि हेलो दोस्तों, मैं आपको यह बताने आया हूं कि मैं पेशेवर टेनिस से संन्यास ले रहा हूं। मेरे लिए पिछले कुछ वर्ष कठिन रहे हैं, विशेषकर पिछले दो वर्ष। दिग्गज खिलाड़ी ने आगे कहा कि मैं बहुत उत्साहित हूं कि मेरा आखिरी टूर्नामेंट डेविस कप

का फाइनल होगा, जिसमें मैं अपने देश का प्रतिनिधित्व करूंगा। मुझे लगता है कि यह एक चक्र पूरा हो रहा हैं, क्योंकि एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी के रूप में मेरी पहली सबसे बड़ी खुशी 2004 में सेविले में डेविस कप फाइनल था। इसी के साथ उन्होंने पूरे टेनिस जगत को धन्यवाद दिया। डेविस कप के नॉकआउट राउंड्स 19 से 24 नवंबर के बीच खेले जाएंगे।

38 साल के नडाल की गिनती दुनिया के महान टेनिस खिलाड़ियों में होती है। वह सर्बिया के नोवाक जोकोविच के बाद दूसरे सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले टेनिस खिलाड़ी हैं। नडाल ने अपने करियर में कुल 22 ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम किए हैं, जो टेनिस में एक बड़ी उपलब्धि है। उनसे आगे केवल सर्बिया के नोवाक जोकोविच हैं, जिन्होंने अब तक सबसे ज्यादा 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इसके अलावा नडाल ने 2008 ओलंपिक में टेनिस में सिंगल्स कैटेगिरी में स्वर्ण पदक जीता, वहीं 2016 में रियो ओलंपिक में डबल्स में स्वर्ण अपने नाम किया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: साल 2009, 2022

फ्रेंच ओपन: साल 2005, 2006, 2007, 2008, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2017, 2018, 2019, 2020, 2022

विंबलडन: साल 2008, 2010

यूएस ओपन: साल 2010, 2013, 2017, 2019

महिला टी20 विश्व कप: वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

शारजाह। वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराकर महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल किया। बल्लेबाजों के सामूहिक प्रयास और 29 वर्षीय स्पिनर करिश्मा रामहरैक के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में कैरेबियाई टीम ने दबदबा कायम किया। 104 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों की तूफानी बल्लेबाजी ने बांग्लादेश को धूल चटा दी। कप्तान हेले मैथ्यूज और स्टेफनी टेलर ने तेज पीछा की नींव रखी। शुरुआती ओवरों में सतर्क रुख अपनाने के बाद सलामी बल्लेबाजों ने पावरप्ले में बाउंड्री से निपटा और आसानी से स्कोर 48/0 पर पहुंचा दिया। आठवें ओवर में, बांग्लादेश को आखिरकार सफलता मिली। दाएं हाथ के मारुफा अक्तर ने 109.4 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी और वेस्टइंडीज के कप्तान को आउट कर दिया। डेक

से काफी दूर जाने के कारण गेंद मैथ्यूज के बल्ले का अंदरूनी किनारा लेते हुए स्टंप्स से जा टकराई। मैथ्यूज ने 22 गेंदों पर 6 चौकों की बदौलत 34 रन बनाए।

सोभना मोस्टरी द्वारा कैच छोड़ने के बाद टेलर ने पूरा फायदा उठाया। उन्होंने शेमेन कैम्पबेल के साथ मैदान पर कुछ समय बिताया, लेकिन अंत में लंगड़ाते हुए 29 गेंदों पर 27 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गईं। इसके बाद 84 के कुल पर शेमैन कैंपबेल (21) को नाहिदा अख्तर ने आउट कर बांग्लादेश को दूसरी सफलता दिलाई। हालांकि इसके बाद डिएंड्रा डॉटिन (नाबाद 19) और चिनेल हेनरी (नाबाद 2) ने वेस्टइंडीज को 12.5 ओवर में सात ओवर से जीत दिला दी। डिएंड्रा डॉटिन ने शानदार अंदाज में गेंद को बाउंड्री रोप के पार पहुंचाकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर बांग्लादेश को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मैथ्यूज ने पहली पारी में सात गेंदबाजों का इस्तेमाल किया, लेकिन रामहरैक ने अपने शानदार स्पेल से सबको चौंका दिया। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल में हर एक ओवर में विकेट लिया, जिससे बांग्लादेश की पारी गति पकड़ने से पहले ही पटरी से उतर गई। उन्होंने अपने 4 ओवर में 17 रन देकर 4 विकेट लिए। बांग्लादेश ने अपने 20 ओवर में 8 विकेट पर 103 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से निगार सुल्ताना ने 44 गेंदों में 39 रन की धीमी पारी खेली। उनके अलावा दिलारा अख्तर ने 19, सोभना मोस्टरी ने 16 और रितू मोनी ने 10 रन बनाए।

ज्ञानिक दृष्टिकोण ने खो खो और उसके खिलाड़ियों का भविष्य किया सुनहरा: निर्मला भाटी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय संस्कृति में गहरी जड़ों वाला एक स्वदेशी खेल 'खो खो', जो अब अत्याधुनिक खेल विज्ञान से लैस होकर वैश्विक मंच पर अपनी जगह मजबूती से बना रहा है। इस खेल की होनहार खिलाड़ी राजस्थान की मूल निवासी और भारतीय टीम की सदस्य 25 वर्षीय निर्मला भाटी ने एक जुनून से इस खेल को काफी करीब से बदलते देखा है।खो-खो के पारंपरिक से सुविधा संपन्न खेल बनने को लेकर निर्मला का कहना है कि, मैं बचपन में ही खो खो से जुड़ी थी और जब भी हम सभी बच्चे सड़कों पर खेलने के लिए इकट्ठा होते थे, तो मैं हमेशा खो खो को प्राथमिकता देती थी। हालांकि स्ट्रीट गेम्स से पेशेवर खेलों तक का उनका सफर आसान नहीं रहा। अभी कुछ साल पहले खो-खो खिलाड़ियों को अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ा था। निर्मला ने कहा कि खो खो के खेल में कोई करियर नहीं था या नौकरियों के लिए कई विकल्प नहीं थे इसलिए मैंने खेल छोड़ने पर भी विचार किया।हालांकि 2017 में स्थिति बदलनी शुरू हुई जब भारतीय खो खो महासंघ के भीतर नए नेतृत्व ने खेल में एक नया दृष्टिकोण लाया। अब, जब भारत पहली बार खो-खो विश्व कप की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है, तो गर्व और उत्साह की स्पष्ट भावना है। खो खो में नए विकास और बेहतर एथलीट बनने के लिए अपनी जीवनशैली को कैसे बदला जाए, इस पर निर्मला ने कहा, मानव रचना यूनिवर्सिटी में एक कैंप लगा था, उससे पहले हमें स्पोर्ट्स साइंस के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। हमें पता था कि हमें दौड़ना है इसलिए हम सिर्फ उसी पर फोकस करते थे, लेकिन जैसे-जैसे कैंप आगे बढ़ता गया, हमें बहुत कुछ पता चला। इस वैज्ञानिक दृष्टिकोण ने प्रशिक्षण विधियों में क्रांति ला दी है।निर्मला ने कहा, अब हम दौड़ने के साथ प्रॉपर मैथड से कंप्लीट वर्कआउट करते हैं। कांप में एक दिनचर्या निर्धारित की गई। हमारे परीक्षण के साथ हमारी कमजोरियों को समझने में मदद की गई। कैसे दौड़ना है, हमारी कैलोरी का सेवन, क्या करें और क्या न करें.. सब बताया गया।

क्लीन स्वीप करने उतरेगा भारत, सलामी बल्लेबाजों पर रहेगी निगाह, देखें संभावित 11

एजेंसी

हैदराबाद। पहले दो मैच में आसान जीत दर्ज करके श्रृंखला पहले ही अपने नाम कर चुकी भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान पर उतरगी जिसमें उसके सलामी बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर निगाह टिकी रहेगी। भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को विश्राम देकर इस टी20 श्रृंखला में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जिन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर पूरी तरह से अमल करके जीत का जज्बा दिखाया। बांग्लादेश के खिलाफ ही कुछ दिन पहले कानपुर में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने जिस तरह से परिणाम हासिल करने के लिए आक्रामक क्रिकेट खेली उससे टीम के नए दृष्टिकोण का पता चलता है। भारत ने दो टेस्ट मैच की श्रृंखला 2-0 से जीती थी और अब वह टी20 श्रृंखला में भी 3-0 से जीत दर्ज करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

केंद्र ने राज्यों को 1,78,173 करोड़ रुपये का कर हस्तांतरण किया जारी

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राज्यों को 1,78,173 करोड़ रुपये का कर राजस्व हस्तांरित किया है। राज्यों को जारी की गई इस राशि में अक्टूबर में देय नियमित किस्त के अलावा 89,086.50 करोड़ रुपये की अग्रिम किस्त भी जारी की गई है। वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि आगामी त्योहारी सीजन के मद्देनजर सरकार ने राज्य सरकारों को 1,78,173 करोड़ रुपये का कर राजस्व हस्तांतरण जारी किया है। इस राशि में अक्टूबर माह की सामान्य नियमित किस्त 89,086.50 करोड़ रुपये के अलावा अग्रिम किस्त भी शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि राज्यों को यह अग्रिम किस्त पूंजीगत व्यय में तेजी लाने और उनके विकास और कल्याण संबंधी व्यय को वित्तपोषित करने में सक्षम बनाने के लिए जारी की गई है।

फाइनेंशियल मार्किट में रिलायंस का बड़ा दांव, नया जियोफाइनेंस ऐप लॉन्च

मुंबई। पहले से बेहतर वित्तिय सेवाएं देने के लिए जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने अपना पूर्णता विकसित जियोफाइनेंस ऐप लॉन्च कर दिया है। जियोफाइनेंस ऐप का बीटा संस्करण करीब 4 माह पहले 30 मई, 2024 को लॉन्च किया गया था। तब से अब तक इसे 60 लाख उपभोक्ता डाउनलोड कर चुके हैं। कंपनी का दावा है कि ग्राहकों के फीडबैक के आधार पर ही नया ऐप तैयार किया गया है। नया ऐप गूगल प्ले स्टोर, एप्पल ऐप स्टोर और माईजियो से डाउनलोड किया जा सकेगा। कंपनी ने अपने फाइनेंशियल प्रोडक्ट चेन में कई नई सर्विस जोड़ी हैं। इनमें म्यूचुअल फंड पर लोन, संपत्ति पर लोन, होम लोन और होम लोन बैलेंस ट्रांस्फर शामिल हैं। फाइनेंशियल बाजार में पैर जमाने के लिए कंपनी प्रतिस्पर्धी दरों पर लोन उपलब्ध कराएगी। कंपनी के मुताबिक जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (जेपीबीएल) में करीब 15 लाख ग्राहक बचत खाता खुलवा चुके हैं। बैंक में बचत खाता सिर्फ 5 मिनटों में डिजिटली खोला जा सकता है। खाते के साथ डेबिट कार्ड भी मिलेगा और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन की वजह से बचत खाता अधिक सुरक्षित भी होगा। इसके अतिरिक्त, यूपीआई पेमेंट, मोबाइल रिचार्ज और क्रेडिट कार्ड बिलों के भुगतान जैसी सर्विस भी ग्राहकों को उपलब्ध होंगी। जियोफाइनेंस ऐप में ग्राहकों के विभिन्न बैंक खातों और उनके म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स को भी लिंक किया जा सकता है।

अमेजन पर मीडियाटेक डेज़ शुरू

नयी दिल्ली। प्रति वर्ष दो अरब से अधिक कनेक्टेड एज डिवाइस को ताकत प्रदान कर रही विश्व की प्रमुख फैबलेस सेमीकंडक्टर कंपनी मीडियाटेक ने 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2024 तक अमेजन पर 'मीडियाटेक डेज़' शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि अमेजन पर 5 दिनों तक चलने वाले इस अभियान के दौरान मीडियाटेक प्रौद्योगिकी को लोकतांत्रिक बनाने और उपभोक्ता को अगली पीढ़ी के प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध कराने पर ध्यान देगी। इस अभियान का लक्ष्य कनेक्टेड डिवाइसेज़ के नए युग में मीडियाटेक की ताकत वाले अद्भुत प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और समाधानों को लेकर जागरूकता पैदा करना है जिससे उपभोक्ताओं को जानकारी के आधार पर खरीदारी का निर्णय करने में मदद मिल सके। मीडियाटेक के निदेशक (मार्केटिंग एवं कम्युनिकेशंस) अनुज सिद्धार्थ ने कहा, जुड़ी हुई जिंदगी की आज की दुनिया में, यह त्यौहारी सीज़न नवीनतम प्रौद्योगिकी में सर्वोत्तम का अनुभव लेने का शानदार अवसर लाता है। हमारे मीडियाटेक डेज़ अभियान के साथ उपभोक्ता मीडियाटेक से ताकत प्राप्त अद्भुत स्मार्टफोन और स्मार्ट डिवाइस की उत्साहजनक रेंज खंगाल सकते हैं। मीडियाटेक में हमारा लक्ष्य उपभोक्ताओं को सशक्त करना और उन्हें अपने क्षितिज का विस्तार करने एवं अनूठी टेक्नोलॉजी के जरिए अपने लक्ष्यों को आसानी से हासिल करने के लिए प्रेरित करना है।

त्योहारी मांग से अधिकांश खाद्य तेल उबले

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर त्योहारी मांग निलकने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में अधिकांश खाद्य तेल 1832 रुपये प्रति क्विंटल तक उबल गया वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अक्टूबर का पाम ऑयल वायदा सात रिंगट बढ़कर 4350 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, अक्टूबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.15 सेंट की गिरावट लेकर 42.91 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में अधिकांश खाद्य तेलों में उबाल रहा। सोया रिफाइंड 205 रुपये, पाम ऑयल 1832 रुपये और वनस्पति तेल 1796 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया जबकि सरसों तेल 15 रुपये और सूरजमुखी तेल 219 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हो गया। वहीं, मूंगफली तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहनः दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव स्थिर रहे।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट जारी, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

एजेंसी
नई दिल्ली। नवरात्रि के दौरान घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट लगातार जारी है। हालांकि आज चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आज महानवमी के दिन देश के अधिकांश सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 76,780 रुपये से लेकर 76,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 70,390 रुपये से लेकर 70,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज भी 93,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 76,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 76,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 76,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 76,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 76,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 76,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी गिरावट आने की वजह से सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 76,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 70,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

एजेंसी
नई दिल्ली। इजरायल-ईरान में हिंसक संघर्ष के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.18 डॉलर यानी 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ 79.22 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.12 डॉलर यानी 0.16 फीसदी फिसलकर 75.73 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

जीएसटी एमनेस्टी स्कीम 1 नवंबर से, कम ब्याज और पेनल्टी देकर होगा केस का निपटारा

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जीएसटी एमनेस्टी स्कीम को नोटिफाई कर दिया है। ये स्कीम 1 नवंबर से ओपन हो जाएगी। टैक्सपेयर्स इस स्कीम के तहत तुलनात्मक तौर पर कम इंटरेस्ट और पेनल्टी चुका कर अपने पेंडिंग मामलों का निपटारा कर सकते हैं। जीएसटी एमनेस्टी स्कीम का फायदा वे सभी टैक्सपेयर्स उठा सकेंगे, जिनके 1 जुलाई 2017 से लेकर 31 मार्च 2020 तक के टैक्स के मामले पेंडिंग पड़े हुए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई में बजट पेश करते वक्त अपने बजट भाषण में ही जीएसटी एमनेस्टी स्कीम का ऐलान किया था।

बताया जा रहा है कि ऐसे टैक्सपेयर्स, जिन्हें सेक्शन 73 नोटिस का आर्डर मिला है, वे इस स्कीम का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि जिन टैक्सपेयर्स को फ्रॉड के मामलों में नोटिस दिया गया है, उन्हें इसका फायदा नहीं मिल सकेगा। इस स्कीम के तहत टैक्सपेयर्स को सिर्फ इंटरेस्ट और पेनल्टी के अमाउंट में ही राहत मिलेगी। इसके अलावा एक्चुअल टैक्स डिमांड की राशि का उन्हें भुगतान करना ही पड़ेगा। जानकारों के अनुसार जीएसटी एमनेस्टी स्कीम के लिए सरकार ने फाइनेंस बिल में सेक्शन 128ए को शामिल किया गया था। इसके तहत सेक्शन 73 के तहत भेजे गए नोटिस या ऑर्डर के मामले में टैक्सपेयर्स को सिर्फ इंटरेस्ट और पेनल्टी के अमाउंट में राहत देने का प्रावधान किया गया है। सरकार की ओर से दावा किया गया है कि जीएसटी एमनेस्टी स्कीम से काफी बड़ी संख्या में टैक्सपेयर्स को राहत मिलेगी। इसके साथ ही ट्रिब्यूनल्स और अदालतों में अपील के मामलों की संख्या में भी गिरावट आएगी। फिलहाल ट्रिब्यूनल्स और अदालतों में ऐसे मामले काफी बड़ी संख्या में पेंडिंग हैं। इसकी वजह से व्यावसायिक घरानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है लेकिन अब इस स्कीम के आने के बाद व्यावसायिक घराने कम ब्याज और कम पेनल्टी चुका कर अपने पेंडिंग मामलों का निपटारा कर सकेंगे। सरकार की ओर से नोटिफाई किए गए जीएसटी एमनेस्टी स्कीम का चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने भी स्वागत किया है। सीए फर्म टैक्स सॉल्यूशंस के सीएमडी संतोष अग्रवाल का कहना है कि सरकार की इस एमनेस्टी स्कीम से व्यावसायिक घरानों को काफी फायदा होगा। जुलाई 2017 में जीएसटी की व्यवस्था जब लागू की गई थी तो कई व्यावसायिक घरानों को इसके नियमों के बारे में ठीक से पता नहीं था। इस वजह से कई लोगों से रिटर्न फाइल करते वक्त गलतियां भी हुई थी। बाद में इन लोगों को जीएसटी अथॉरिटीज के नोटिस का सामना करना पड़ा। हालांकि इनमें से अधिकांश लोग ऐसे थे, जिनसे रिटर्न फाइल करने में अनजाने में गलती हुई थी। ऐसे लोगों को अब केंद्र सरकार की इस स्कीम से फायदा मिलेगा।

इनकम टैक्स के कानूनों में बदलाव की तैयारी, सीबीडीटी ने लोगों से सुझाव मांगे

एजेंसी
नई दिल्ली। इनकम टैक्स से जुड़े कानूनी फ्रेमवर्क को चुस्त, स्पष्ट और आसानी से समझ में आने योग्य बनाने के लिए केंद्र सरकार इसके नियमों में बड़ा फेरबदल करने जा रही है??। दावा किया जा रहा है कि इनकम टैक्स के नियमों या कानूनों में बदलाव होने से टैक्स से जुड़े विवाद के मामलों में कमी आएगी। इसके साथ ही टैक्सपेयर्स भी इनकम टैक्स से जुड़े नियमों को लेकर ज्यादा सहज हो सकेंगे।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (सीबीडीटी) द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि आयकर कानून में बदलाव करने के लिए इनकम टैक्स पे करने वाले टैक्स पेयर्स समेत सभी संबंधित पक्षों से सुझाव मांगा गया है। सीबीडीटी ने लोगों से इनकम टैक्स कानून की आसान भाषा, इनकम टैक्स जुड़े मुकदमों में कमी लाने, फार्म और रिटर्न फाइलिंग जैसे कंप्लायंस में कमी करने और इनकम टैक्स कानून के गैर जरूरी प्रावधानों को खत्म करने के संबंध में सुझाव मांगा है।बताया जा रहा है कि टैक्स सुधार की दिशा में यह एक काफी बड़ा कदम है। इसीलिए नए कानून बनाने की प्रक्रिया में टैक्स पेयर्स से लेकर सभी संबंधित पक्षों के सुझाव काफी महत्वपूर्ण होने वाले हैं। इससे चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, टैक्स प्रोफेशनल्स और कंसल्टेंट्स को प्रस्तावित बदलावों और उनके असर को उनके लागू होने से पहले ही समझने के लिए पर्याप्त मौका मिल सकेगा। इस साल जुलाई में बजट पेश करने के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि केंद्र सरकार इनकम टैक्स जुड़े कानून को सुविधाजनक और आसान बनाने के लिए इनमें बदलाव करने का काम कर रही है। वित्त मंत्री के इसी ऐलान के बाद सीबीडीटी ने हर विषय का अध्ययन करने के बाद लोगों से सुझाव मांगे हैं। जानकारों का कहना है कि जीएसटी कानून को लागू करने और उसके बाद हुई परेशानियों से सबक लेते हुए सीबीडीटी ने सभी संबंधित पक्षों से आयकर कानून में प्रस्तावित बदलावों को लेकर सुझाव मांगे हैं। 2017 में जीएसटी कानून को वैट, सेंट्रल एक्साइज और सर्विस टैक्स के कानून की जगह संयुक्त रूप से लागू किया गया था लेकिन इस कानून के लागू होने के बाद इसमें कई बार संशोधन और बदलाव भी करना पड़ा। ऐसा होने से जीएसटी कानून के दायरे में आने वाले पक्षों को जहां कंप्लायंस में परेशानियों का सामना करना पड़ा, वहीं लंबे समय तक नियमों को लेकर स्पष्टता का भी अभाव रहा। यही वजह है कि सीबीडीटी इनकम टैक्स के नए नियमों को बनाने के पहले लोगों की राय जानने पर सबसे अधिक ध्यान दे रहा है, ताकि बाद में किसी भी तरह की परेशानी ना हो।

ओपन एंडेड इक्विटी म्यूचल फंड्स के निवेश में आई गिरावट, एसआईपी के एयूएम में रिकॉर्ड तेजी

एजेंसी
नई दिल्ली।नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (हि.स.)। इक्विटी म्युचुअल फंड्स में निवेश के लिहाज से सितंबर लो परफॉर्मेंस वाला महीना बन गया। इस महीने ओपन एंडेड इक्विटी म्युचुअल फंड में हुए निवेश में करीब 10 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। सितंबर में ओपन एंडेड इक्विटी म्युचुअल फंड्स में कुल 34,419 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो अगस्त की तुलना में करीब 10 प्रतिशत कम है। ये जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी आंकड़ों में दी गई है। आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में शेयर बाजार में तेजी आने के बावजूद इक्विटी फंड्स में निवेश में कमी आ गई। सितंबर के महीने में स्टॉक मार्केट में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई थी। इस अवधि में सेंसेक्स 2.4 प्रतिशत उछल गया था, जबकि निफ्टी ने 2.3 प्रतिशत की मजबूती दिखाई थी। जुलाई के बाद सितंबर के महीने में ही शेयर बाजार के संवेदी सूचकांकों में सबसे अधिक तेजी दर्ज की गई। इसके बावजूद ओपन एंडेड इक्विटी म्युचुअल फंड्स में होने वाले निवेश में गिरावट आ गई। हालांकि एएमएफआई द्वारा दिए जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्यूचुअल फंड्स स्कीम्स में होने वाले निवेश में सितंबर के महीने में तेजी आई। इस दौरान एसआईपी के जरिए होने वाला मासिक निवेश 24,508.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जबकि अगस्त के महीने में इस माध्यम से म्युचुअल फंड्स में 23,547.34 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। आंकड़ों के अनुसार सितंबर के महीने में एसआईपी का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) भी बढ़ कर 13.82 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसके पहले अगस्त के महीने में एसआईपी का एसेट अंडर मैनेजमेंट 13.39 लाख करोड़ रुपये था। सितंबर के महीने में म्युचुअल फंड्स के यूनिक इन्वेस्टर्स की संख्या भी 5.01 करोड़ के स्तर को पार कर गई है, जबकि इन्वेस्टमेंट फोलियो की संख्या 21 करोड़ के स्तर को पार कर गई। ये अभी तक का सबसे ऊंचा स्तर है।

ग्रामीणों की आमदनी में पांच साल में 57 फीसदी का हुआ इजाफा : नाबार्ड सर्वे

एजेंसी
नई दिल्ली। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों की इनकम में लगातार वृद्धि हो रही है। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार पिछले 5 वर्षों में ग्रामीण परिवारों की औसत मासिक आमदनी में 57.6 फीसदी का इजाफा हुआ है। हालांकि, इस दौरान ग्रामीण परिवारों की खर्च के साथ कर्ज भी बढ़ा है। वित्त मंत्रालय ने नाबार्ड के 'अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वेक्षण (एनएएफआईएस) 28 राज्य, जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश शामिल थे। नाबार्ड ने अपने सर्वेक्षण में यह उल्लेख किया है कि ग्रामीण परिवारों की बचत में वृद्धि हुई है। 2021-22 में औसत घरेलू बचत 13,209 रुपये सालाना रही है, जबकि पांच साल पहले यह 9,104 रुपये रही थी। इस अवधि के दौरान 66 फीसदी परिवारों ने बचत की जो सूचना दी है, उसके मुताबिक 2016-17 में 50.6 फीसदी थी। यह दर्शाता है कि ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय साक्षरता और बचत की प्रवृत्ति में सुधार हो रहा है। आंकड़ों के मुताबिक हालांकि, बकाया ऋण वाले परिवारों का अनुपात भी बढ़ा है। पिछले पांच वर्षों में ये अनुपात 47.4 फीसदी से बढ़कर 52.0 फीसदी हो गया है।

नाबार्ड के सर्वेक्षण में ये पाया गया है कि ग्रामीण परिवारों में बीमा कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2016-17 में कम से कम एक सदस्य का बीमा कराने वाले परिवारों का अनुपात 25.5 फीसदी था, जो 2021-22 में बढ़कर 80.3 फीसदी हो गया है। ये कोरोना महामारी (कोविड-19) के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सेवाओं की पहुंच में सुधार को दर्शाता है। आंकड़ों के मुताबिक एनएएफआईएस 2021-22 के परिणाम 2016-17 में पिछले सर्वेक्षण के बाद से ग्रामीण वित्तीय समावेशन में की गई उल्लेखनीय प्रगति को उजागर करते हैं।

इस सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण परिवारों ने आय, बचत, बीमा कवरेज और वित्तीय साक्षरता में उल्लेखनीय सुधार का अनुभव किया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस), प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-यू), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई), दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम), दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई) जैसी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं ने ग्रामीण आबादी के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

संरक्षक: संजय शुक्ला, (सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

उपसंपादक: राकेश द्विवेदी

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सहायक संपादक: रिजवान सैफ खान,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

त्योहारी सीजन में मसालों की कीमत में उतार – चढ़ाव, जीरे में तेजी आई तो हल्दी पर बढ़ा दबाव

एजेंसी
नई दिल्ली। सर्दी का सीजन शुरू होने के पहले मसाले की कीमत में काफी उतार-चढ़ाव होता हुआ नजर आ रहा है। जीरे के भाव में तेजी आई है, वहीं लगभग एक महीने की तेजी के बाद हल्दी पर दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। जबकि रबर भी सात साल के शिखर से फिसल कर गिरावट का शिकार हो गया है, इसी तरह धनिया में कमजोरी दर्ज की गई है। नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) पर जीरे का अक्टूबर वायदा 9 दिनों के ऊंचाई पर पहुंच गया है। सितंबर में भी जीरे की कीमत में लगातार तेजी बनी हुई थी। अब अक्टूबर के महीने में भी जीरा तेजी दिखा रहा है। एनसीडीईएक्स की चाल पर अगर नजर डालें तो पिछले एक हफ्ते के दौरान जीरा करीब 1 प्रतिशत तक उछल गया है। वहीं पिछले एक महीने के दौरान जीरे के भाव में 5 प्रतिशत तक की तेजी आ गई है। हालांकि अगर 1 साल की अवधि की बात करें, तो पिछले साल अक्टूबर की तुलना में अभी तक जीरे के भाव में 45 प्रतिशत तक की गिरावट आ चुकी है जानकारों का कहना है कि बाजार में जीरे की मांग में लगातार बढ़ोतरी हुई है। इस साल देश में जीरे की बुवाई भी कम हुई है, जिसके कारण बाजार को इस साल जीरे के उत्पादन में कमी आने की आशंका है। इसके साथ ही थोक बाजार में जीरे की आवक भी कम हो रही है। हालांकि इसकी मांग में कोई कमी नहीं आई है, बल्कि ठंड की शुरुआत के पहले मांग में थोड़ी बढ़ोतरी ही हुई है। मांग की तुलना में आवक कम होने के कारण जीरे की कीमत को लगातार सपोर्ट मिल रहा है। कमोडिटी मार्केट एक्सपर्ट अजय श्रीवास्तव का कहना है कि जीरे के उत्पादन में कमी आने की आशंका लगातार बनी हुई है। इस वजह से अगले एक से डेढ़ महीने में ही यानी नवंबर के अंत तक ही जीरा पिछले साल की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। जीरा के विपरीत हल्दी का अक्टूबर वायदा इस सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गया है। इस सप्ताह हल्दी के भाव में 0.33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि एक महीने की अवधि में इसका भाव 4 प्रतिशत तक लुढ़क गया है। जानकारों का कहना है कि हल्दी की मांग में फिलहाल गिरावट आई है, वहीं हल्दी की आवक बढ़ने की वजह से भी बाजार में इसकी कीमत पर दबाव बन गया है। इसके साथ ही हल्दी की बुवाई का रकबा बढ़ने और इसके एक्सपोर्ट में कमी आने से भी बाजार में दबाव की स्थिति बनी है। हालांकि ठंड की शुरुआत के साथ ही हल्दी की मांग में भी तेजी आने की उम्मीद है, जिससे इसकी कीमत में भी जल्दी ही तेजी आ सकती है।

हल्दी की तरह ही धनिया में भी फिलहाल कमजोरी नजर आ रही है। पिछले 1 हफ्ते के दौरान धनिया की कीमत में 1 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। हालांकि मासिक आधार पर देखें तो धनिया के भाव अभी 7 प्रतिशत चढ़े हुए हैं। बताया जा रहा है कि सितंबर के महीने में धनिया पिछले 9 महीने की ऊंचाई पर पहुंच गया था। इसलिए फिलहाल उसकी कीमत में करेक्शन हो रहा है। आने वाले दिनों में इसकी कीमत में डेढ़ से दो प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। ज्यादातर मसालों की तरह ही कमोडिटी मार्केट में रबर के भाव पर भी दबाव बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में रबर की कीमत 7 साल के सर्वोच्च शिखर पर पहुंचने के बाद फिसल गई है। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय बाजार में रबर 214 डॉलर प्रति किलो के स्तर के करीब कारोबार कर रहा है। इस संबंध में वेंकटेश्वर रबर एंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर जीवी सुरेश का कहना है कि घरेलू बाजार में रबर की सप्लाई में लगातार कमी बनी हुई है, जबकि डिमांड अपने सर्वोच्च स्तर पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में रबर की कीमत में आई गिरावट की वजह से इसकी कीमत में मामूली गिरावट जरूर आई है, लेकिन घरेलू मांग में तेजी आने के कारण अब इसमें और गिरावट आने की उम्मीद नहीं है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.709 अरब डॉलर घटकर 701.176 अरब डॉलर पर

मुंबई/नई दिल्ली
देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में 3.709 अरब डॉलर घटकर 701.176 अरब डॉलर रह गया। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 12.588 अरब डॉलर बढ़कर 704.885 अरब डॉलर के रिकॉर्ड सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 4 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.709 अरब डॉलर घटकर 701.176 अरब डॉलर रह गया है। इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.51 अरब डॉलर घटकर 612.64 अरब डॉलर रह गईं। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य भी चार करोड़ डॉलर घटकर 65.75 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 12.3 करोड़ डॉलर घटकर 18.42 अरब डॉलर रह गया है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 3.5 करोड़ डॉलर घटकर 4.35 अरब डॉलर रह गई है।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169 । इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी